website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 79 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 28 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

इजरायल दौरे से लौटे पीएम मोदी, बोले – भारत-इजरायल साझेदारी और मजबूत होगी

नई दिल्ली । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय इजरायल दौरे से लौटने के बाद यात्रा का अनुभव साझा किया। पीएम मोदी ने अपने इजरायल दौरे की प्रमुख झलकियों का एक वीडियो भी साझा किया।

दौरे की झलकियों का वीडियो किया साझा

वीडियो में इजरायल पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का एयरपोर्ट पर गर्मजोशी से स्वागत, भारतीय समुदाय से मुलाकात, भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, इजरायली संसद में स्वागत और तालियों की गूंज जैसी झलकियां दिखाई गई हैं। इसके अलावा इजरायली संसद में प्रधानमंत्री का संबोधन, इजरायल का सर्वोच्च सम्मान मिलने और दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित समझौतों के पल भी वीडियो में शामिल हैं। वीडियो साझा करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, "इजरायल की खास यात्रा की कुछ खास बातें, जिसमें अच्छी बातचीत और मजबूत सहयोग शामिल रहा। आने वाले समय में हमारी पार्टनरशिप और आगे बढ़ती रहे।"

अहम मुद्दों पर बनी सहमति

प्रधानमंत्री के इस दौरे के दौरान भारत और इजरायल के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। इसके अलावा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) और भारत-इजरायल-यूएई-अमेरिका (आई2यू2) पहल को आगे बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

कई समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते (एमओयू) भी हुए। इनमें जियोफिजिकल एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में सहयोग, उन्नत जियोफिजिकल और एआई तकनीक के उपयोग से खनिज खोज को बढ़ावा देने, डेटा साझा करने और निवेश को प्रोत्साहन देने से जुड़े समझौते शामिल हैं।

लोथल, गुजरात स्थित नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए भी समझौता हुआ, जिसके तहत शोध, प्रदर्शनी और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा।

इसके अलावा यूपीआई को लागू करने के लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल और एमएएसएवी, इजरायल के बीच समझौता हुआ, जिससे दोनों देशों के बीच सीमा-पार भुगतान और रेमिटेंस को आसान बनाया जाएगा।

भारत-इजरायल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना, मत्स्य पालन और जलीय कृषि में सहयोग, वित्तीय सेवाओं, शिक्षा में एआई के उपयोग और व्यापारिक मध्यस्थता से जुड़े कई अन्य समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय और हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरूसलम के बीच भी सहयोग समझौता किया गया।

कोलकाता में भूकंप के तेज झटके, रिक्टर पैमाने पर 5.0 तीव्रता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में शुक्रवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया। दोपहर करीब 1 बजकर 22 मिनट पर धरती हिलने के बाद लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.0 दर्ज की गई, जबकि इसका केंद्र बांग्लादेश के खुलना क्षेत्र से लगभग 26 किलोमीटर दूर बताया गया है। फिलहाल किसी तरह की जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भूकंप के झटके कुछ समय तक महसूस होते रहे। कई इलाकों में लोग एहतियात के तौर पर बहुमंजिला इमारतों से नीचे उतर आए और खुले स्थानों पर खड़े रहे। ऊंची इमारतों में झटके

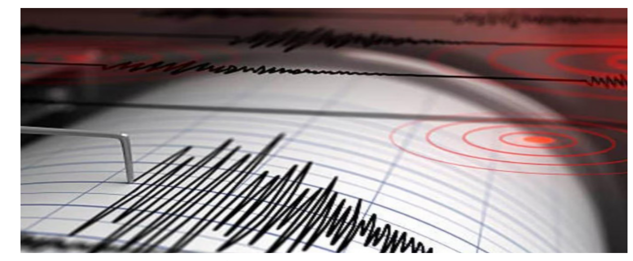

ज्यादा तेज महसूस किए गए, जहां छत के पंखे, फर्नीचर और खिड़की-दरवाजे हिलने लगे। कई कार्यालयों को भी कुछ समय के लिए खाली करा दिया गया। लोगों में आफ्टरशॉक का डर बना हुआ है, क्योंकि अक्सर बड़े झटकों के बाद छोटे झटके आने की संभावना रहती है। बताया जा रहा है कि पिछले दो महीनों में कोलकाता में यह तीसरी बार है जब भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस बार झटके पहले की तुलना में ज्यादा तेज थे और करीब एक मिनट तक महसूस हुए। अधिकारियों के अनुसार तीव्रता 5.0 होने के बावजूद झटके काफी मजबूत लगे। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि भूकंप के दौरान घबराने के बजाय सुरक्षित स्थान पर शरण लें। यदि बाहर निकलना संभव न हो तो मेज या मजबूत फर्नीचर के नीचे बैठ जाएं और सिर को ढककर रखें। बिजली के तारों और गिरने वाली वस्तुओं से दूर रहना चाहिए तथा गैस और बिजली के उपकरण बंद कर देना सुरक्षित माना जाता है।

टैरिफ विवाद के बीच दिल्ली पहुंचे अमेरिकी वाणिज्य सचिव, पीयूष गोयल से की अहम मुलाकात

नई दिल्ली । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा डोनाल्ड ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ दिनों बाद अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक भारत पहुंचे। उन्होंने गुरुवार (26 फरवरी) को अचानक दिल्ली का दौरा किया। लटनिक ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ लंच मीटिंग की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और पीयूष गोयल ने एक्स पर अलग-अलग पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। तीनों की एक तस्वीर साझा करते हुए गोर ने लिखा कि हॉवर्ड लटनिक और पीयूष गोयल के साथ दोपहर का भोजन बेहद सार्थक रहा और दोनों देशों के लिए सहयोग के कई क्षेत्र मौजूद हैं। वहीं पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने को लेकर बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई।

गोयल से मिलने के बाद कहां गए अमेरिकी अधिकारी

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और अमेरिका के बीच

व्यापार और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। लटनिक बाद में जोधपुर के लिए रवाना हो गए। जानकारी के अनुसार वह जोधपुर में टेक एग्जीक्यूटिव निकेश अरोरा की बेटी आयशा अरोरा और आइस हॉकी खिलाड़ी जैक ह्जेस की शादी समारोह में शामिल होने गए।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को झटका

यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के महत्वपूर्ण दौर में हुई है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 20 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल कर ग्लोबल टैरिफ लगाने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को रद्द कर दिया, जिससे ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका लगा है। ट्रंप ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 का हवाला देते हुए 10 प्रतिशत नया वैश्विक टैरिफ लगाया था और 24 घंटे से भी कम समय में इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। हालांकि गुरुवार तक सभी व्यापारिक साझेदारों पर मौजूदा एमएफएन दरों के अलावा 10 प्रतिशत टैरिफ लागू है, जो 150 दिनों के लिए वैध माना गया है।

राहुल गांधी पर सीएम धामी का हमला, बोले – 'मोहम्मद नाम लगाने वाले के साथ कर रहे पार्टी'

सतपुली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सतपुली में कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा लेकर सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। धामी ने कोटद्वार के मोहम्मद दीपक का नाम लेते हुए राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि उन्हें मोहम्मद नाम वाले लोग पसंद आते हैं और वे उनके साथ पार्टी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नयार वैली फेस्टिवल के उद्घाटन के लिए सतपुली के बिलखेत पहुंचे थे। कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सरकार की उपलब्धियां और योजनाएं गिनाईं और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए पूरी ताकत से काम कर रही है, जबकि कांग्रेस अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है। जिन मामलों पर सरकार पहले ही कार्रवाई कर चुकी है, कांग्रेस उन्हीं मुद्दों को उठाकर आंदोलन कर रही है।

मोहम्मद दीपक के बहाने साधा निशाना

धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी कांग्रेस के शासनकाल में खराब हुई थी और अब जब सरकार उसे दुरुस्त कर रही है तो यह कांग्रेस को रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति ने अपने नाम के आगे मोहम्मद लगाया, राहुल गांधी उसी के साथ पार्टी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के बच्चे-बच्चे में राष्ट्र भावना है और यहां राहुल गांधी की राजनीति चलने वाली नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल वोट बैंक की राजनीति करती है।

शराब नीति केस में राहत के बाद तेजस्वी यादव की मांग – दिल्ली में दोबारा चुनाव कराने की कही बात

पटना। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने पर बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार (27 फरवरी, 2026) को मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने बड़ी मांग कर दी। कहा कि लगातार विपक्षी दलों पर राजनीतिक प्रतिशोध में जबरन गलत मुकदमे किए जाते हैं। संस्थाओं का केंद्र सरकार दुरुपयोग कर रही है। जो तथाकथित शराब घोटाला था उसमें कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी किया है। भाजपा का चाल, चरित्र सामने आ गया। हम चाहेंगे कि दिल्ली में दोबारा चुनाव कराए जाएं ताकि जनता सही मुद्दों पर चुनाव कर पाए।

तेजस्वी यादव ने कहा, "सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही नहीं, चाहे राहुल गांधी हों, लालू यादव हों या हमारा पूरा परिवार शुरू से ही भाजपा के राजनीतिक वेंडेट्टा का शिकार होता रहा है। चाहे IRCTC का घोटाला हो या जमीन के बदले नौकरी देने का घोटाला हो, आज तक रेलवे ने माना ही नहीं कि कोई घोटाला हुआ है और इसकी पहले ही CBI तीन बार जांच कर चुकी है। हमें हर जगह से क्लीन चीट मिली लेकिन यह चौथी बार मुकदमा कराया गया। हमें न्यायालय पर विश्वास है कि हमारे साथ भी न्याय होगा।"

'अब कितने लोग माफी मांगेंगे?'

दूसरी ओर आरजेडी सांसद मनोज झा ने शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने पर कहा, "अब कितने लोग माफी मांगेंगे? मांगेंगे या नहीं मांगेंगे? जब वेंडेट्टा किसी केस को प्रेरित करता है तो उसका हश्र यही होता है। मैं दावे के साथ कहता हूं कि मेरे नेतृत्व समेत जितने लोगों पर मुकदमे चल रहे हैं सबका यही हश्र होगा।"

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को अदालत से राहत मिलने के सवाल पर कहा, "संविधान में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को न्यायपालिका के फैसलों का सम्मान करना चाहिए।"

केजरीवाल के बरी होने पर अखिलेश यादव का हमला

-बोले – मुखबिरी करने वालों के लिए यह नैतिक हार

यूपी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल के बरी होने पर प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। कन्नौज सांसद ने हालिया फैसले को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से जोड़ते हुए बड़ा दावा किया। उन्होंने लिखा कि आज दिल्ली के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ सत्य और न्याय दोनों खड़े हैं। आरोप कभी इतना बड़ा नहीं हो सकता कि वह सच को ढक सके। आज हर ईमानदार व्यक्ति राहत की सांस लेगा और भाजपा के समर्थक शर्मिंदगी महसूस कर रहे होंगे। भाजपा ने दिल्ली के निवासियों से विश्वासघात किया है।

अखिलेश यादव ने किया शंकराचार्य का जिक्र

अखिलेश ने लिखा कि जो कपटजीवी सनातनी

शंकराचार्य जी, साधु-संतों और संन्यासियों तक पर झूठे आरोप लगाने का महापाप करते हैं, वे किसी सरकार, दल या व्यक्ति को बदनाम करने के लिए किस हद तक जा सकते हैं, इसकी कल्पना कोई शरीफ आदमी नहीं कर सकता। सपा नेता ने लिखा कि आजादी से पहले वर्तमान सत्ता के जो 'संगी-साथी' देश के दुश्मनों से मिले हुए थे और स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ मुखबिरी किया करते थे, वही विचारधारा के लोग आज भाजपा में हैं। उन्होंने कहा कि छल-छलावे के ऐसे विचारवंशी भाजपाई आज किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। भाजपा के लिए यह समाचार किसी 'नैतिक मृत्युदंड' से कम नहीं है। बता दें कि अदालत द्वारा दोषमुक्त किए जाने से पहले करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केजरीवाल और सिसोदिया को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा था। जेल जाने के बाद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और यह संकल्प लिया था कि वह तभी पद पर लौटेंगे जब निर्दोष साबित हो जाएंगे। केजरीवाल को 21 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया था और उसी वर्ष 13 सितंबर को उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली थी। वह पद पर रहते हुए गिरफ्तार होने वाले दिल्ली के पहले मुख्यमंत्री बने थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी जमानत पर रिहा होने से पहले करीब 17 महीने जेल में रहना पड़ा था।

3 मार्च को साल का पहला चंद्रग्रहण, भारत के अधिकांश हिस्सों में दिखेगा

नई दिल्ली । 3 मार्च को साल का पहला चंद्रग्रहण दिखाई देगा, जिसे भारत के अधिकांश हिस्सों में चंद्रोदय के समय देखा जा सकेगा। उत्तर-पूर्व भारत और अंडमान-निकोबार के कुछ क्षेत्रों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण शाम 3:20 बजे शुरू होकर 6:48 बजे समाप्त होगा, जबकि पूर्ण अवस्था 4:34 से 5:33 बजे तक रहेगी। इस ग्रहण की तीव्रता 1.155 बताई गई है। चंद्रग्रहण पूर्णिमा के दिन तब होता है जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है। भारत में अगला चंद्रग्रहण 6 जुलाई 2028 को दिखाई देगा।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा, कांग्रेस विधायकों का वॉकआउट; टीकाराम जूली बोले – बेइज्जती बर्दाश्त नहीं

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान गुरुवार (26 फरवरी) को जमकर हंगामा हुआ। माहौल इतना गरमा गया कि विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के सभी सदस्य सदन से बाहर निकल आए। बाहर आकर नेताओं ने सरकार और स्पीकर पर गंभीर आरोप लगाए।

हम यहां बेइज्जती करवाने नहीं आते – टीकाराम जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि विधानसभा का अपना एक गरिमामय इतिहास रहा है, लेकिन मौजूदा हालात में विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। उन्होंने कहा, "हम यहां अपनी बेइज्जती करवाने नहीं आते। विपक्ष के सदस्यों को बोलने नहीं दिया जाता। यह 200 सदस्यों का सदन है और ऐसा व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

जूली ने आरोप लगाया कि डिमांड पर चर्चा के दौरान दोनों पक्षों को समय दिया जाता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि श्रवण कुमार बोलना चाहते थे, आसन ने उनका नाम भी पुकारा, लेकिन बाद में स्पीकर ने कह दिया कि उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसी दौरान उनका माइक भी बंद कर दिया गया, जिससे स्थिति और ज्यादा बिगड़ गई।

डोटासरा भी सरकार पर हमलावर

विपक्ष के साथ बाहर आए PCC चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लगातार विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अहम होती है, लेकिन अगर उसे बोलने का मौका ही नहीं दिया जाएगा तो सदन की कार्यवाही का महत्व खत्म हो जाएगा।

आज होगी रणनीति बैठक

हंगामे और बहिष्कार के बाद विपक्ष ने आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक बुलाने का फैसला किया है। आज सुबह विपक्ष के सभी विधायक एकजुट होकर विधायक दल की बैठक करेंगे, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे एकजुट होकर सदन में अपनी बात मजबूती से रखेंगे। अब सबकी नजर बैठक और उसके बाद विधानसभा की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

होली से पहले कर्मचारियों को मिलेगा वेतन, सीएम योगी के निर्देश; छुट्टियों में भी किया बदलाव

यूपी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होली के त्योहार से पहले कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि होली से पहले सभी कर्मचारियों को उनका वेतन दिया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि लोग त्योहार को खुशी के साथ मना सकें। इसके साथ ही सरकार की ओर से अवकाश में भी कुछ बदलाव किए गए हैं। सरकार की ओर से जारी शासनादेश में सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि राज्य में सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पूर्व दिया जाना सुनिश्चित किया जाए। इनमें आउटसोर्सिंग कर्मचारी, संविदाकर्मी, सफाईकर्मी सहित सभी कर्मियों को होली से पहले ही वेतन दिया जाए। इसमें किसी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

28 फरवरी तक वेतन भुगतान का निर्देश

शासनादेश के मुताबिक इस बार एक मार्च को रविवार की वजह से अवकाश रहेगा, दो मार्च को होलिका दहन को लेकर सार्वजनिक अवकाश निर्धारित है और चार मार्च को होली का अवकाश रहेगा। इसलिए सभी कर्मचारियों, वेतनभोगियों और पेंशनधारियों

को फरवरी महीने का वेतन 28 फरवरी को ही जारी कर दिया जाए, जिससे लोगों को त्योहार मनाने में पैसों की दिक्कत न हो।

होली के अवकाश में बदलाव

मुख्यमंत्री ने होली के अवकाश में बदलाव करते हुए शनिवार 28 फरवरी की छुट्टी रद्द कर दी है और इस दिन को कार्यदिवस घोषित किया गया है। इसके बदले सभी कर्मचारियों को 3 मार्च को अवकाश दिया जाएगा। वहीं 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को होली का अवकाश रहेगा। इस तरह इस बार होली पर 2, 3 और 4 मार्च को लगातार छुट्टियां रहेंगी। यूपी सरकार ने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े विद्यालयों और कार्यालयों में भी होली से पहले मानदेय भुगतान के निर्देश दिए हैं। स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी की ओर से भी इस संबंध में विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

PM किसान योजना: मार्च में आएगी 22वीं किस्त, 9 करोड़ किसानों के खाते में पहुंचेंगे 2-2 हजार रुपए

- फरवरी के आखिरी हफ्ते से शुरू हो सकती है प्रक्रिया; eKYC अधूरी रही तो अटक सकता है पैसा, ऐसे चेक करें बेनेफिशरी लिस्ट में अपना नाम

जयपुर | रॉयल पत्रिका डेस्क
देश के करोड़ों किसानों के लिए केंद्र सरकार की ओर से बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM-Kisan) के लाभार्थियों के लिए अगली यानी 22वीं किस्त फरवरी के आखिरी हफ्ते से लेकर मार्च 2026 के बीच जारी की जा सकती है। हालांकि सरकार ने अभी तक किसी विशेष तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन नियमों के अनुसार 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर होने की उम्मीद है।

eKYC अनिवार्य: कहीं आपकी किस्त भी न अटक जाए
योजना के आधिकारिक पोर्टल के मुताबिक, सभी पंजीकृत किसानों के लिए eKYC की प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि किसी किसान की eKYC लंबित है, तो उनकी किस्त रुक सकती है। किसान घर बैठे PM किसान पोर्टल पर OTP के माध्यम से या नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) पर जाकर बायोमेट्रिक तरीके से इसे पूरा करवा सकते हैं।

नवंबर में आई थी 21वीं किस्त, अब अगली का इंतजार
PM किसान योजना के तहत हर चार महीने के अंतराल पर ₹2,000 की किस्त दी जाती है। इस योजना की 21वीं किस्त नवंबर 2025 में जारी की गई थी, जिसके बाद अब फरवरी-मार्च 2026 में अगली किस्त का समय बैठ रहा है। बता दें कि फरवरी 2019 में शुरू हुई इस योजना का मकसद छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाना है ताकि वे खेती में बेहतर निवेश कर सकें।

लिस्ट में अपना नाम चेक करने का आसान तरीका
यदि आप यह जानना चाहते हैं कि अगली किस्त आपके खाते में आएगी या नहीं, तो आप ऑनलाइन सरकारी वेबसाइट के जरिए लिस्ट चेक कर सकते हैं:

स्टेप 1: सबसे पहले सरकारी वेबसाइट pmkisan.gov.in पर लॉग-इन करें।
स्टेप 2: वेबसाइट के होमपेज पर मेन्यू बार देखें और वहां दिए गए 'फार्मर कॉर्नर' सेक्शन पर जाएं। यहां आपको 'लाभार्थी सूची' (Beneficiary List) का लिंक मिलेगा, जिस पर क्लिक करना होगा।
स्टेप 3: नए पेज पर आपको अपना राज्य, जिला, उप-जिला, ब्लॉक और गांव का विवरण दर्ज करना होगा।

स्टेप 4: सारी जानकारी भरने के बाद 'Get Report' बटन पर क्लिक करें।

स्टेप 5: इसके बाद आपके सामने पूरी सूची खुल जाएगी, जिसमें आप राज्य, जिलेवार, तहसील या गांव के हिसाब से अपना नाम देख सकते हैं।

किसे मिलता है लाभ और कौन है इस दायरे से बाहर?
योजना के नियमों के मुताबिक, सभी भूमि धारक किसान परिवार (पति, पत्नी और नाबालिग बच्चे) इसके पात्र हैं। हालांकि, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कुछ वर्गों को इससे बाहर रखा गया है:
संस्थागत भूमि धारक: यदि जमीन किसी संस्था या कंपनी के नाम पर है, तो लाभ नहीं मिलेगा।
संवैधानिक पद: पूर्व या मौजूदा मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर या जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे पदों पर आसीन लोग पात्र नहीं हैं।
सरकारी कर्मचारी: केंद्र या राज्य सरकार के अधिकारी और कर्मचारी इस योजना का हिस्सा नहीं बन सकते।

पेंशनर्स: जिनकी मासिक पेंशन 10,000 रुपए से ज्यादा है, वे इस योजना के दायरे से बाहर हैं।
पेशेवर वर्ग: आयकर भरने वाले लोग, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और अन्य प्रोफेशनल भी मदद नहीं ले सकते।
यह पूरी तरह से केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए भेजी जाती है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

गठबंधन को लेकर बेपरवाह कांग्रेस

राज कुमार सिंह। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर की टिप्पणियों से विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए की दरारें उजागर हुई ही थीं कि एआइ सम्मेलन में युवा कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन से कांग्रेस की दिशाहीनता भी बेनकाब हो गई। लगता नहीं कि कांग्रेस को देश या विपक्षी एकता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का कोई अहसास है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की लगातार तीसरी निराशाजनक हार के बावजूद अन्य विपक्षी दलों ने राहुल को नेता प्रतिपक्ष के रूप में स्वीकार कर उदारता ही दिखाई, लेकिन कांग्रेस ने कभी अन्य दलों को संसद के अंदर या बाहर साथ लेकर चलने की परिपक्वता नहीं दिखाई। राहुल गांधी अपेक्षा करते हैं कि वे जो भी रणनीति तय कर लें, संसद के अंदर-बाहर अन्य दलों को उनका श्रद्धापूर्वक अनुसरण करना चाहिए।

भाजपा को हराने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव से लगभग एक साल पहले दो दर्जन विपक्षी दलों को जोड़कर आइएनडीआइए बनाया गया था। दो बार पूर्ण बहुमत हासिल करने के बाद भाजपा का 240 सीटों पर ठहरने को इस मोर्चे की एक सफलता के रूप में देखा गया, लेकिन लोकसभा चुनाव बाद गठबंधन के पक्ष में कुछ खास घटित होता नहीं दिख रहा। उनके बीच लगातार उजागर दरारें बताती हैं कि दलों में दोस्ती के बावजूद दिलों में दूरियां बरकरार हैं। सफलताओं की बात करें तो झारखंड और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत तो हासिल हुई, लेकिन वहां कांग्रेस हाशिए पर ही है। महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और बिहार में उसके हिस्से हार ही आई। इसमें महाराष्ट्र और बिहार की हार को शर्मनाक कहना कहीं अधिक उचित होगा। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में तो गठबंधन की गांठें पूरी तरह बिखरती दिखीं।

इस साल चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, पर गठबंधन के तौर पर आइएनडीआइए में सक्रियता तो दूर, कहीं कोई सुगबुगाहट भी नहीं। एसआइआर पर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ही चुनाव आयोग से दो-दो हाथ करती नजर आती हैं। तमिलनाडु में भी चुनाव आयोग से लेकर भाजपा तक के विरुद्ध मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक ही मोर्चा खोले है। बंगाल में ममता एकला चलो की राह पर हैं।

शहीदी दिवस

सुनील कुमार महला

चंद्रशेखर आज़ाद : क्रांति, साहस व आत्मसम्मान की अमर गाथा

महान क्रांतिकारी, अदम्य साहस, अटूट देशभक्ति और आत्मसम्मान के प्रतीक चंद्रशेखर आज़ाद का आज 27 फरवरी को शहीद दिवस है। वर्ष 1931 में इसी दिन उन्होंने इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के चंद्रशेखर आज़ाद पार्क (तत्कालीन अल्फ्रेड पार्क) में अंग्रेजों से घिर जाने पर वीरगति प्राप्त की। इनका जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में हुआ तथा उनका बचपन झाबुआ जिले के भाबरा गांव में बीता, जहां उनके अधिकांश मित्र भील जनजाति के बालक थे। उनके साथ रहते हुए उन्होंने बचपन में ही धनुष-बाण चलाने में दक्षता हासिल कर ली, जो आगे चलकर उनकी अचूक निशानेबाजी का आधार बनी। इनका वास्तविक नाम चंद्रशेखर तिवारी था और 'आज़ाद' नाम उन्होंने स्वयं अदालत में घोषित किया था। दिसंबर 1921 में असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण जब उन्हें गिरफ्तार किया गया तो मजिस्ट्रेट के सामने उन्होंने अपना नाम 'आज़ाद', पिता का नाम 'स्वतंत्रता' और पता 'जेलखाना' बताया। सजा के रूप में उन्हें 15 कोड़े लगाए गए, जिसके बाद से वे 'आज़ाद' के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

उनकी माता जगरानी देवी चाहती थीं कि वे संस्कृत के विद्वान बनें, इसलिए उन्हें पढ़ाई के लिए वाराणसी के काशी विद्यापीठ भेजा गया, किंतु जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनकी सोच बदल दी और वे क्रांतिकारी मार्ग पर चल पड़े। उनकी जुबां पर अक्सर एक शेर रहता था-'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे।' आज़ाद ने शपथ ली थी कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ जीवित नहीं पकड़े जाएंगे और उन्होंने अंत तक अपने इस वचन को निभाया भी। वे भेष बदलने की कला में अत्यंत निपुण थे तथा कई बार पुलिस के सामने से निकल गए और उन्हें पता भी नहीं चला। पुलिस से बचने के लिए वे साधु/संन्यासी बनकर भी रहे और बच्चों को पढ़ाया। झांसी के पास ओरछा के जंगलों में उन्होंने 'पंडित हरिशंकर ब्रह्मचारी' नाम से

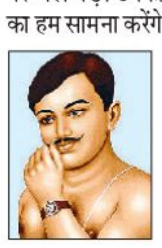

संन्यासी रूप में निवास किया तथा साथियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग के कारण साथी उन्हें 'क्विक सिल्वर' (पारा) कहते थे। वे क्रांतिकारी संगठन के वरिष्ठ नेता थे और युवाओं को प्रशिक्षण देते थे, जिनमें भगत सिंह भी शामिल थे। भगत सिंह उन्हें सम्मान से 'पंडित जी' कहते थे। दोनों की जोड़ी को 'आग और हवा' की तरह माना जाता था, जहां भगत सिंह वैचारिक रूप से गहरे थे, वहीं आज़ाद संगठन संचालन और क्रांतिकारी कार्रवाई में निपुण थे। महात्मा गांधी द्वारा 1922 में असहयोग आंदोलन स्थगित किए जाने के बाद वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) से जुड़े। क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए धन जुटाने हेतु 1925 में काकोरी ट्रेन कार्रवाई की गई। बाद में संगठन का पुनर्गठन कर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) बनाया गया, जिसकी स्थापना 1928 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी सहित अन्य साथियों ने की। उल्लेखनीय है कि आज़ाद 1929 में लॉर्ड इरविन की ट्रेन पर बम फेंकने की योजना में भी शामिल थे। 27 फरवरी 1931 को प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने अपने साथी सुखदेव राज को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं लगभग 40 मिनट तक अकेले पुलिस से लोहा लेते रहे। उस समय उनके पास केवल एक छोटी कोल्ट पिस्तौल थी। जब अंतिम गोली बची तो अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और वीरगति प्राप्त की। जानकारी मिलती है कि उनकी मृत्यु के बाद भी ब्रिटिश पुलिस उनके पास जाने से डर रही थी। पुष्टि करने के लिए दूर से उनके शरीर पर गोलियां चलाई गईं, तब जाकर वे पास पहुंचे। आज़ाद अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कई बार संगठन के लिए धन बचाने हेतु स्वयं भूखे रह जाते थे, लेकिन अपने साथियों की जरूरतें वे पहले पूरी करते थे। उनकी शहादत के बाद काफी समय तक उनकी माता को पूरी जानकारी नहीं दी गई थी, ताकि उन्हें गहरा सदमा न पहुंचे। निष्कर्षतः चंद्रशेखर आज़ाद ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प, त्याग और साहस से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

साधना से ही मिलता है वास्तविक सुख

संकलित
दर्शन

अधिकांश व्यक्ति आज भौतिक मूल्यों के उपासक बन गए हैं। इस कारण जीवन के धर्म एवं मर्म को भुला बैठे हैं। उनकी इस उपासना ने दुनिया के बाह्य जगत को बड़ा सुहावना, लुभावना और आकर्षक बना दिया है। जबकि वास्तविक सुख आंतरिक सौंदर्य, अंतर्जगत की जागृति एवं अंतर्यात्रा से ही संभव है। भौतिक आकर्षण के पीछे मनुष्य दौड़ रहा है। यदि वह क्षण भर रुककर गंभीरता से सोचे तो उसे पता चलेगा कि यह सब भ्रम जाल है। जीवन वह नहीं, जिसे वह जी रहा है। संत एकनाथ ने कहा है कि धन जोड़कर भक्ति का दिखावा करने से कोई लाभ नहीं, क्योंकि ऐसा करने से मन में वासना और भी बढ़ जाएगी और जिनका चित्त वासना में फंसा हुआ है, उन्हें अंतरात्मा के दर्शन कैसे हो सकते हैं। वास्तविक सुख पाने के लिए व्यक्ति भक्ति यानी साधना की ओर प्रवृत्त होता है। स्थायी सुख की प्राप्ति भक्ति पर ही निर्भर है। भक्ति से मन को वश में करना है और मन को वश में करने का सरल उपाय है उसे परमात्मा के हेतु निरंतर भले कार्यों में लगाए रखना। महात्मा गांधी ने प्रेमा बहन के नाम लिखे पत्र में लिखा है-जो लोग कृष्ण-कृष्ण कहते हैं वे उसके पुजारी नहीं हैं। जो उनका काम करते हैं, वे ही पुजारी हैं। रोटी-रोटी कहने से पेट नहीं भरता, अपितु रोटी खाने से ही भरता है। मन को वश में लाने का अभ्यास अनेक प्रकार का होता है। इन अभ्यासों को ही भक्ति यानी साधना कहा गया है। जिस व्यक्ति ने स्वयं को शांति-अशांति, मान-अपमान और सुख-दुख से निर्लिप्त बना लिया है, वही निर्विघ्न शांति में स्थित रह सकता है।

गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

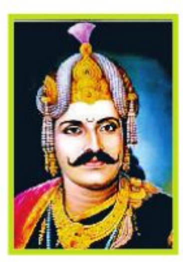

संकलित
प्रेरणा

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन्, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

समय से पहले खिले फूल

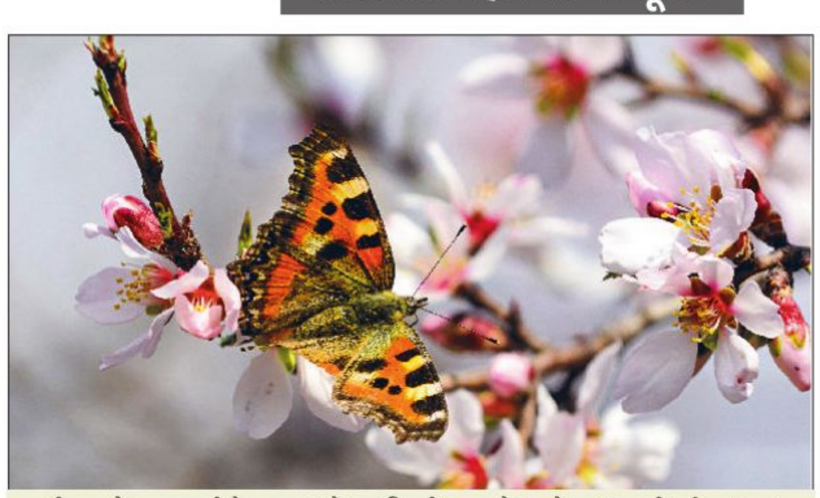

श्रीनगर के बादामवारी में गुरुवार को एक तितली बादाम के फूलों पर मंडराती हुई, इस साल पेड़ों पर असामान्य रूप से फूल जल्दी खिले हैं, जो मौसम के बदलते पैटर्न का संकेत है।

आज की पाती

विधायकों के भत्ते या फिज़ूलखर्ची

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली सुविधाएं हमेशा चर्चा और बहस का विषय रही हैं। वेतन और भत्तों का मूल उद्देश्य यह माना जाता है कि निर्वाचित प्रतिनिधि आर्थिक चिंता से मुक्त होकर जनता की सेवा कर सकें। लेकिन जब इन सुविधाओं का आकार बढ़ता है और उनके उपयोग में पारदर्शिता कम दिखाई देती है, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। हाल ही में बिहार विधानसभा द्वारा विधायकों और विधान पार्षदों के लिए मासिक टेलीफोन भत्ता बढ़ाकर 8300 रुपए करने का निर्णय सामने आया है। इस फैसले की सबसे खास बात यह है कि यह राशि बिना किसी बिल या वाउचर के दी जाएगी। यानी खर्च का प्रमाण देना अनिवार्य नहीं होगा। यही कारण है कि यह विषय अचानक सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन गया है। - ललित बंझोर, रायपुर

ट्रेंड

मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

हमारी सरकार ने गोंदिया-जबलपुर, पुनारख-किऊल और गम्हरिया-चांडिल के बीच तीन मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में आर्थिक विकास तेज होने के साथ-साथ रोजगार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

आतंकवाद स्वीकार नहीं

भारत और इजरायल पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है। किसी भी रूप में, किसी भी अभिव्यक्ति में, आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता।हम कंधे-से-कंधा मिलाकर आतंकवाद और उनके समर्थकों का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।
-पियुष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

गोवा में मिला अवसर

गोवा ने हमें एक छोटा सा अवसर दिया है, हम पूरी ईमानदारी और क्षमता से काम कर रहे हैं। हमें पूरे राज्य की सेवा करने का मौका दीजिए, और हम शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सड़कें, बिजली और पानी जैसी व्यवस्थाओं में पंजाब की तर्ज पर बदलाव लाएंगे।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

ट्रंप की धमकी

आप सब जानते हैं, रूस हमारा पुराना दोस्त, हमको तेल बेचता था, ईरान हमको तेल बेचता था, हम सस्ते में वहां से लेते थे, लेकिन ट्रंप ने धमकी दी और ये बोले- यस सर। ट्रंप जो कहते हैं उसको- यस सर।
-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

ब्रिटेन में हिंदू मंदिर के बंद होने का खतरा

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक परिसर में मौजूद 40 साल पुराने हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर के बंद होने का डर है, क्योंकि स्थानीय प्राधिकारियों ने इस भवन को बेचने के फैसले को सही ठहराया है जो मंदिर के लिए किराये पर दिया गया है। भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी और कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक तथा लिंकनशायर के बड़े इलाके के 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर प्रशासन पीटरबरो सिटी काउंसिल से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए अभियान चला रहा है। इस महीने की शुरुआत में काउंसिल कैबिनेट की बैठक में यह कहा गया कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य दिलाने की उसकी कानूनी जिम्मेदारी/" है। वहीं, मंदिर ने एक बयान में कहा, हम भारत हिंदू समाज से जुड़े भवन की बिक्री की कड़ी निंदा करते हैं। समुदाय द्वारा बनाई गई संस्था को बंद दरवाजों के पीछे बिना पारदर्शिता या सहमति के नहीं बेचा जाना चाहिए। इसमें कहा गया, ''यह सिर्फ संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि विरासत, भरोसे और जवाबदेही के बारे में है। समुदाय जवाब पाने का हक रखता है, गोपनीयता का नहीं। इस फैसले पर सवाल उठाए जाने चाहिए और इसका विरोध किया जाना चाहिए।''

ऑफ बीट

मानसिक समस्या जितनी गंभीर, सहानुभूति उतनी कम

समाज में चिंता (एंग्जायटी), अवसाद (डिप्रेशन) और एडीएचडी जैसी कुछ मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों को पहले की तुलना में अब अधिक स्वीकार्यता मिली है। लोग अब कार्यस्थल, घर और सोशल मीडिया पर इनके बारे में खुलकर बात कर पाते हैं और अक्सर उन्हें सलाह भी मिलती है। यह बदलाव महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे मदद मांगना आसान हुआ है और संस्थानों के लिए मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को आधार बना कर कड़े कदम उठाना कठिन हो गया। लेकिन सार्वजनिक सहानुभूति समान रूप से नहीं मिलती है। कुछ स्थितियां व्यापक रूप से समझी जाती हैं, जबकि अन्य को अब भी संदेह और कठोर निर्णय का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे लोग कुछ बीमारियों से परिचित होते जाते हैं, वे बीमारियां मानसिक रोग की /"स्वीकार्य/" छवि तय करने लगती हैं। जो लक्षण इस छवि में फिट नहीं बैठते, उन्हें अलग नजर से देखा जाता है। यहां बात 'अस्वीकार्यता' से संबंधित है। शोध से पता चलता है कि अवसाद और चिंता के प्रति सामाजिक नजरिया नर्म है, जबकि शिज़ोफ्रेनिया और व्यक्तित्व विकारों (जैसे बॉर्डरलाइन या नार्सिसिस्टिक पर्सनैलिटी डिसऑर्डर) के प्रति समाज में अधिक दूरी और भय वाली सोच है। नौ अलग-अलग निदानों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि लोगों द्वारा दूरी बनाए रखने की इच्छा शिज़ोफ्रेनिया और पर्सनैलिटी डिसऑर्डर के मामलों में सबसे अधिक थी।

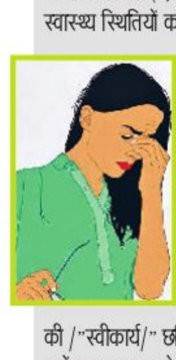

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत कर रही हमारी सरकार, उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रदेश बढ़ रहा तेजी से आगे

-उद्यमी निवेश कर राज्य के विकास में बनें सक्रिय भागीदार- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्यों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार द्वारा नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है, जिससे निवेशक आसानी से अपना उद्यम यहां स्थापित कर सके। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे राजस्थान में निवेश कर राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बने तथा आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के विजन को साकार करें। शर्मा शुक्रवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज सीमाओं से परे भी नवाचार और साझेदारी में आगे बढ़ रहा है। आर्मेनिया गणराज्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित यह समिट इस पहल का सुखद परिणाम है। इस समिट के माध्यम से नवप्रवर्तक, निवेशक, नीति-निर्माता और उद्यमी जुड़कर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे और सीमाओं से परे परस्पर सहयोग का निर्माण करेंगे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत नवाचार में छू रहा नई ऊंचाईयां

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज इनोवेशन तथा उद्यमशीलता के क्षेत्र में नई ऊंचाईयां छू रहा है। उनका मानना है 'भारत के लिए नवाचार करें और भारत से नवाचार करें। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर 35 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए थे, जिसमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कार्य प्रारंभ भी हो चुका है।

आई-स्टार्ट से प्रदेश में 3 हजार 450 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत

शर्मा ने कहा कि राजस्थान एआई, डीपटेक और उभरती प्रौद्योगिकियों से लेकर मशीन लर्निंग, डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार द्वारा पिछले दो सालों में आई-स्टार्ट के माध्यम से प्रदेश में 3 हजार 450 से अधिक स्टार्टअप्स पंजीकृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एनिमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अटल इनोवेशन स्टूडियो से स्मार्ट गवर्नेंस तथा बेहतर सेवा वितरण को प्रोत्साहन मिला है। वहीं, स्टार्टअप हब्स को टिंकरिंग लैब, डीप-टेक लैब्स, डेटा एवं एआई लैब्स से लैस करने के लिए बजट 2026-27 में बजट आवंटित किया गया है।

सतत औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश सतत औद्योगिक विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है। राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026 एवं राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को कैबिनेट में अनुमोदन किया गया है। साथ ही, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के अंतर्गत पात्र उद्यमों को प्रीमियम में 75 प्रतिशत की छूट की अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और वन स्टॉप शॉप के ऑनलाइन पोर्टल राजनिवेश का एकीकरण किया गया है। वहीं, राजनिवेश पोर्टल पर 49 हजार करोड़ रुपये के 2 हजार से अधिक प्रस्तावों के लिए अनुमति जारी की गई है।

स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं की तरफ आशा से देख रही है। हमारी सरकार भी युवाओं के सशक्तीकरण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। हमने राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। साथ ही, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की भी शुरूआत की गई है। जिससे युवा रोजगार प्रदाता भी बन सके। इस योजना के तहत राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यमिता की ओर प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 33 जिलों में स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित किए गए हैं।

इस अवसर आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने कहा कि भारत और आर्मेनिया के बीच तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समिट के माध्यम से विचार एवं पूंजी, तकनीक एवं मार्केट तथा दो देशों के लोगों को एक साथ आने का अवसर मिलेगा। जिससे तकनीक आधारित नीतियों के निर्माण में सहायता मिलेगी। उन्होंने राजस्थान के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सक्रिय पहल के कारण प्रदेश में स्टार्टअप्स और तकनीकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जयपुर में क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

-वित्तीय साक्षरता केन्द्रों की कार्यक्षमता सुदृढ़ करने एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार को बढ़ावा देने पर जोर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय साक्षरता केन्द्र परियोजना के अंतर्गत 27 फरवरी 2026 को जयपुर में क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक रणजीव शंकर ने की। कार्यशाला में भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर के अधिकारीगण, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक, प्रायोजक बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी तथा राज्य के 119 वित्तीय साक्षरता केन्द्रों के केन्द्र प्रबंधक एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता केन्द्रों की कार्यक्षमता को सुदृढ़ करना तथा राज्य में समावेशी एवं सुरक्षित बैंकिंग व्यवहार को बढ़ावा देना रहा। अपने उद्घाटन संबोधन में क्षेत्रीय निदेशक रणजीव शंकर ने राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन रणनीति 2025–30 के अंतर्गत वित्तीय सुरक्षा, वित्तीय लचीलापन एवं वित्तीय अनुशासन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि उसे सकारात्मक वित्तीय व्यवहार में परिवर्तित करना है। कार्यशाला के दौरान सीएफएल, मूल्यांकन रूपरेखा, सीएफएल परियोजना की अब तक की प्रगति, साइबर सुरक्षा, प्रभावी संप्रेषण, शिकायत निवारण प्रणाली, निष्क्रिय खातों का पुनः-केवाईसी तथा दावारहित जमा जैसी महत्वपूर्ण विषय-वस्तुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी हितधारकों ने राज्य में वित्तीय साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन को और अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

एक अप्रेल, 2026 से विद्यालयों में उपलब्ध कराई जाएगी प्रयोगशाला सामग्री - शिक्षा मंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि विद्यालयों की प्रयोगशालाओं में एक अप्रेल, 2026 से प्रयोगशाला सामग्री उपलब्ध कराना शुरू कर दी जाएगी। साथ ही जिन विद्यालयों में भवन उपलब्ध नहीं है, उनमें पीएबी से राशि आने पर निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी। उन्होंने सदन में आश्वस्त किया कि रिक्त पदों को भी शीघ्र भरा जाएगा। शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक अर्जुन लाल के पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों के क्रमोन्नयन के स्पष्ट नियम निर्धारित हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय को उच्च स्तर पर क्रमोन्नत करने के लिए कक्षा 8 में न्यूनतम 30 छात्रों का नामांकन, गांव की जनसंख्या कम से कम 1 हजार 500 तथा 5 किलोमीटर की परिधि में कोई अन्य उच्च माध्यमिक विद्यालय नहीं होना आवश्यक है। इन मानदंडों के अनुरूप ही प्रस्तावों पर नए विद्यालय खोलते समय विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से नए शैक्षणिक सत्र में स्टाफिंग पैटर्न पूर्ण कर दिया जाएगा। मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में शिक्षा मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र बिलाड़ा में विगत दो वर्षों में राजकीय प्राथमिक

विद्यालय, गुजरों व देवासियों की ढाणी देव नगर, ब्लॉक बिलाड़ा को उच्च प्राथमिक स्तर पर क्रमोन्नत किया गया है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में बिलाड़ा क्षेत्र में किसी राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत नहीं किया गया है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत बिलाड़ा क्षेत्र में राउमावि पिचियाक में कला संकाय, राउमावि पालासनी में विज्ञान संकाय व महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खारिया मीठापुर, भटिण्डाल, बीसलपुर एवं तिलवासनी विद्यालयों में विज्ञान संकाय स्वीकृत किए गए। इनमें भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित के 4-4 पद स्वीकृत किए गए हैं। तिलवासनी विद्यालय में जीव विज्ञान व्याख्याता का एक पद पदस्थापन से भर दिया गया है। दिलावर ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत क्रमोन्नत विद्यालय में 5 पदों का आवंटन किया जा चुका है। देवनगर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में कुल 5 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 2 कार्यरत तथा 3 पद (1 वरिष्ठ अध्यापक व 2 लेवल-द्वितीय) रिक्त हैं। राउमावि पिचियाक और राउमावि पालासनी को स्टाफिंग पैटर्न में सम्मिलित कर व्याख्याता के 6 पद तथा 1 प्रयोगशाला सहायक का पद स्वीकृत करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती-2022 (लेवल-1 एवं लेवल-2) के लिए 16 दिसंबर 2022 को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा कुल 48 हजार पदों पर विज्ञप्ति जारी की गई थी। वर्तमान में 45 हजार 895 पदों पर जिला आवंटन किया जा चुका है। शेष अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा प्राप्त होने के बाद नियुक्ति की आगामी कार्रवाई की जाएगी। अभी भर्ती प्रक्रिया जारी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में 11 जुलाई, 2024 की विज्ञप्ति के अंतर्गत शेष रहे पदों पर चयन उपरांत संबंधित विद्यालयों में पदस्थापन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, प्रयोगशाला सुविधाएं उपलब्ध कराने और रिक्त पदों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

सांभर झील हुआ में दिव्य एवं भव्य सांभर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विश्व प्रसिद्ध खारे जल की झील सांभर लेक में आज वन विभाग के तत्वावधान में कोच्या की ढाणी स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर में एक दिवसीय सांभर बर्ड फेस्टिवल का दिव्य एवं भव्य आयोजन हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों, पर्यटकों एवं स्थानीय समुदाय को झील की समृद्ध वेटलैंड पारिस्थितिकी, जैव विविधता तथा प्रवासी पक्षियों के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को केंद्र में रखकर आयोजित इस फेस्टिवल ने पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ जयपुर वी. केतन कुमार उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी सांभर ऋषिराज कपिल, सांभर साल्ट्स लिमिटेड के जीएम वी. जी. मेहरिया, पशुपालन विभाग के नोडल अधिकारी गणेश कुमार गर्ग सहित वन विभाग के अधिकारीगण, रेंज स्टाफ, एनजीओ प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं 250 से अधिक स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। फेस्टिवल में तकनीक और परंपरा का अद्त समन्वय देखने को मिला। सांभर की जैव

विविधता एवं दुर्लभ पक्षियों की आकर्षक फोटो प्रदर्शनी, नमक उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन, एवियन बोटुलिज़्म प्रबंधन एवं पक्षी रोगों की रोकथाम संबंधी जानकारी तथा "एक जिला एक प्रजाति" अंतर्गत पंच गौरव लिसोड़ा की प्रदर्शनी ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से आकर्षित किया। स्कूली बच्चों के लिए ड्राइंग, क्विज एवं जागरूकता प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेताओं को सम्मानित किया गया। बच्चों को झील क्षेत्र में बर्ड वॉचिंग करवाई गई तथा कठपुतली नृत्य के माध्यम से संरक्षण का संदेश दिया गया। आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देते हुए eBird ऐप के माध्यम से पक्षियों की पहचान एवं डिजिटल रिकॉर्डिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। नमक उत्पादन का लाइव सत्र आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को पारंपरिक उद्योग की वास्तविक प्रक्रिया से अवगत होने का अवसर मिला। सांभर लेक जो कि एक अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की रामसर साइट है, के संरक्षण हेतु इच्छुक प्रतिभागियों का 'वेटलैंड मित्र' के रूप में पंजीकरण भी किया गया, ताकि जनभागीदारी को स्थायी स्वरूप दिया जा सके। वन विभाग ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन पर्यटन संवर्धन के साथ-साथ वैज्ञानिक डेटा संग्रहण, जनजागरूकता और संरक्षण प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प और प्रकृति के प्रति प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

जुम्मे की नमाज बाद ताला में सलाम पेश की

-खुदा के हुक्म व मोहम्मद साहब के बताए हुए मार्ग पर चले - पेश ईमाम नसरुद्दीन

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के मुस्लिम क्षेत्रों में रमजान के दूसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई इस मौके पर कस्बे की मस्जिदों में नमाजियों की बहुत भारी भीड़ उमड़ी। जुम्मे की नमाज को लेकर मुस्लिम समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला और मस्जिदें रोजेदारों के अलावा नमाजियों से खचाखच भर गई। दोपहर करीब 1 बजे जुम्मे की नमाज की अज़ान होते ही बच्चे, युवा और बुजुर्ग नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों की ओर रवाना हो गए। रमजान के साथ ही मस्जिदों में नमाजियों और रोजेदारों की रौनक बढ़ गई और कई स्थानों पर मस्जिदें छोटी पड़ती नजर आईं। जामा मस्जिद में पेश ईमाम नसरुद्दीन ने नमाज अदा करवाई, जबकि पाल वाली मस्जिद में पेश ईमाम शेर मोहम्मद ने नमाज पढ़ाई।

जामा मस्जिद के पेश ईमाम नसरुद्दीन ने कहा कि ख़ुदा के हुक्म व मुहम्मद सल्लाहो आलेह व सल्लम के बताए हुए मार्ग पर चले। इधर ताला में हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह आलेह की दरगाह में जुम्मे की नमाज के बाद में सलाम पढ़ी गई। इस अवसर पर सभी मस्जिदों में देश में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे प्रगाढ़ की दुआएं मांगी गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर तथा हाथ मिलाकर पवित्र रमजान माह के दूसरे जुम्मे की मुबारकबाद पेश की और नेकियों व इबादत के इस पाक महीने में रोजा, नमाज और जरूरतमंदों यतीमों गरीबों बैसहारा लोगों की जकात खैरात सहित अन्य तरीके से मदद करने का संकल्प लिया। रमजान में मुस्लिम क्षेत्र में धार्मिक माहौल नजर आया और देर शाम तक मस्जिदों व बाजारों में रौनक बनी रही। उल्लेखनिय हैं कि रमजान मुबारक के महीने में अल्लाह अपनी खास रहमतों की बारिश करता है। रमजान में शैतान को कैद कर इंसान के लिए जन्नत के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। इस मुबारक महीने में रोजेदार के दिल में दूसरों के लिए हमदर्दी ओर मदद का खास जज्बा पैदा हो जाता है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देश पर घरेलू गैस कालाबाजारी के विरुद्ध प्रदेशव्यापी स्ट्राइक

-12 दिनों में 3080 सिलेंडर जब्त, 634 प्रकरण दर्ज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। घरेलु एलपीजी के दुरूपयोग, कालाबाजारी, अवैध रिफिलिंग, भण्डारण, व्यावसायिक उपयोग को रोकने एवं मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुँचाने के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्यवाही की है। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार दिनांक 16 फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक प्रदेश भर में दो सप्ताह के विशेष सघन अभियान संचालित किया गया। विभाग द्वारा गठित विशेष प्रवर्तन दलों ने राज्य के सभी जिलों में गैस एजेंसियों, गोदामों, होटल-ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर "जीरो टॉलरेंस" की नीति के साथ दबिश दी। राज्य भर में कुल 2416 प्रतिष्ठानों और संदिग्ध स्थलों की गहन जांच की गई। जांच के दौरान अवैध रिफिलिंग और दुरुपयोग के

634 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें 3080 घरेलू एवं व्यावसायिक सिलेंडर जब्त किए गए। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर 17 मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करवाई गई है। शेष प्रकरणों में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम' (EC Act) के तहत विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु 3,967 लाभार्थियों का मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया गया। गोदारा ने अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि यह आमजन की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। उन्होंने अधिकारियों को औचक निरीक्षण और विशेष अभियान भविष्य में भी नियमित अंतराल पर जारी रखे जाने हेतु निर्देशित किया। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि घरेलू गैस का अवैध भंडारण या दुरुपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति या एजेंसी को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के प्रत्येक पात्र परिवार को बिना किसी बाधा के पारदर्शी तरीके से सब्सिडी और गैस आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

डेयरी मंत्री ने ली जिला दुग्ध संघों की बैठक

-बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन पर की विस्तृत समीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में शुक्रवार को राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) से संबद्ध जिला दुग्ध संघों की समीक्षा बैठक

आयोजित की गई। इसमें वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में की गई बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में हनुमानगढ़, सीकर, जोधपुर, जैसलमेर, पाली, उदयपुर, भरतपुर, चूरू, कोटा तथा अलवर जिला दुग्ध संघ के अध्यक्ष एवं प्रबंध संचालक विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी संघों द्वारा अपने-अपने जिलों से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति, स्वीकृत राशि, तकनीकी स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में समित शर्मा, सचिव, पशुपालन एवं गोपालन विभाग के सचिव समित शर्मा तथा आरसीडीएफ की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज द्वारा बजट घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस दौरान राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष मीनेश शाह तथा वित्त विभाग के संयुक्त सचिव भारती दीक्षित विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड को 1000 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 2000 करोड़ रूपये किए जाने के निर्णय पर विशेष चर्चा की गई। इस महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए सभी जिला दुग्ध संघों के अध्यक्षों द्वारा राज्य सरकार एवं मंत्री जोराराम कुमावत का आभार व्यक्त किया गया। बजट घोषणाओं के अनुमानों के संबंध में यह अवगत कराया गया कि कुछ परियोजनाओं में एनडीडीबी द्वारा तैयार किए गए अनुमान, बजट घोषणा में स्वीकृत राशि से अधिक हैं। इस पर यह सहमति बनी कि जिला दुग्ध संघों से संबंधित परियोजनाओं के लिए तकनीकी अनुमान एनडीडीबी द्वारा तैयार किए जाएंगे। बैठक में सभी जिला दुग्ध संघों द्वारा सर्वसम्मति से एनडीडीबी को परियोजना क्रियान्वयन एजेंसी के रूप में चयनित किए जाने का अनुमोदन किया गया। तथापि यह स्पष्ट किया गया कि यह अनुमोदन प्रारंभिक प्रकृति का होगा, जो कि वित्त विभाग की स्वीकृति के अधीन रहेगा। कुमावत ने राज्य की सहकारी डेयरी संरचना को सुदृढ़ करने एवं बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने ली समीक्षा बैठक

-पट्टे संबंधी प्रकरणों का त्वरित गति से निस्तारण कर आमजन को राहत देने के दिये निर्देष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय पर समीक्षा बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, जोन एवं मुख्यालय उपायुक्त सहित निगम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने सख्त लहजे में कहा कि 10 मार्च तक पट्टे के सभी प्रकार लंबित प्रकरणों नाम हस्तान्तरण, उपविभाजन, पुनगठर्न के सभी प्रकरणों को

त्वरित गति से निस्तारण कर आमजन को राहत देने का प्रयास करे साथ ही जिन पट्टों को खारिज किया गया है उनका भी खारिज करने के कारण की सूचना आवष्यक रूप से दे। आयुक्त ने फायर एनओसी के लंबित प्रकरणों पर नाराजगी जाहिर करते हुये संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निस्तारण करने के निर्देष दिये। आयुक्त ने बिल्डिग अप्रुवल के प्रकरणों को त्वरित गति से निस्तारण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देष दिये। बैठक मे ंआयुक्त ने ट्रेड लाईसेंस, सब डिविजन, बिल्डिग प्लान अप्रुवल के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 की तैयारियों के संबंध में भी संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की।

होली के त्यौहार पर सफाई व्यवस्था को लेकर दिये अधिकारियों को निर्देष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी होली एवं धुलंडी पर्व (दिनांक 02 एवं 03 मार्च 2026) के अवसर पर नगर निगम जयपुर द्वारा शहर में विशेष साफ-सफाई व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार नगर निगम क्षेत्र में होलिका दहन एवं धुलंडी के दौरान उत्पन्न होने वाली राख, कोयला, लकड़ी अवशेष, रंग-गुलाल एवं अन्य कचरे की त्वरित सफाई हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्य सड़कों, चैराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती की जाएगी ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा दुर्घटनाओं की संभावना को रोका जा सके। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से अपील की कि होली पर्व सौहार्द एवं सुरक्षित वातावरण में मनाएं तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम प्रषासन का सहयोग करें। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा की दृष्टि से दिनांक 2 व 3 मार्च 2026 को अग्निशमन वाहन मय आवश्यक उपकरण एवं स्टाफ की तैनाती शहर के विभिन्न स्थानों पर की जायेगी। दिनांक 2 व 3 मार्च को थाना रामगंज, माणक चैक, ब्रह्मपुरी, शास्त्रीनगर, कोतवाली, लालकोठी, मालवीय नगर, आदर्शनगर, सांगानेर, मानसरोवर, वैशाली नगर तथा पुलिस कंट्रोल रूम, यादगार जयपुर पर की जाएगी। यह व्यवस्था प्रातः 07.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

1 मार्च को महवा में होली स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह

-"एक कदम बदलाव की ओर" – प्रयास सोसायटी का शिक्षा व सामाजिक उत्थान हेतु विशेष आयोजन

शफीक अली

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। निःशुल्क शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित प्रयास सोसायटी द्वारा आगामी 1 मार्च 2026, रविवार प्रातः 9 बजे एक भव्य होली स्नेह मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सरकारी मिडवे, जयपुर रोड, महवा (दौसा) में आयोजित होगा।पिछले पाँच वर्षों से समाज में शिक्षा की अलख जगाने और जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में जुटी प्रयास सोसायटी इस अवसर पर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी करेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं महवा विधायक राजेन्द्र मीना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही आईपीएस अधिकारी हेमेन्द्र मीना की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों मंख कलाकार कृष्णा गुर्जर और रामू मास्टर अपनी प्रस्तुति से माहौल को रंगीन बनाएंगे। होली के पावन अवसर पर स्नेह, सौहार्द और सम्मान का यह संगम समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा।प्रयास सोसायटी परिवार महवा, मण्डावर एवं घाटा भावर ने क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों, समाजबंधुओं और युवाओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

अजमेर आमसभा को लेकर अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक

-कार्यकर्ताओं ने लिया बड़ी संख्या में पहुंचने का संकल्प

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। दिनांक 27 फरवरी 2026 को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक बजाज की धर्मशाला, मुस्लिम मुसाफिर खाने के पास, हिंडौन सिटी मंडल कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 28 फरवरी शनिवार को अजमेर में होने वाली प्रधानमंत्री की विशाल आमसभा को लेकर रणनीति तैयार की गई। बैठक में कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा ऐतिहासिक होगी, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को दी जाएगी। जिला अध्यक्ष अल्लाह नूर खान, मंडल अध्यक्ष डॉ. आमिर खान, उपाध्यक्ष नासिर दर्जी, सोशल मीडिया प्रभारी फारूक, इरफान सैफी, राजू खान कुरैशी, जिला महामंत्री अमीन खान, अतीक खान, रफीक चौधरी, सानू कुरैशी सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने एक स्वर में अजमेर आमसभा में बड़ी संख्या में पहुंचने का संकल्प लिया। बैठक में यह भी आह्वान किया गया कि मोर्चा के कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ आमसभा में भाग लेकर संगठन की मजबूती और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देंगे। अंत में कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस बार मोर्चा की ओर से रिकॉर्ड उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी और आमसभा को ऐतिहासिक बनाया जाएगा।

बींझबायला के युवक ने घमूडवाली थानाधिकारी पर मारपीट व अवैध हिरासत का लगाया आरोप, आईजी को सौंपा ज्ञापन

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बींझबायला (रॉयल पत्रिका)। बींझबायला निवासी एक व्यक्ति ने घमूडवाली थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस महानिरीक्षक, बीकानेर को प्रार्थना पत्र सौंपा है। प्रार्थी ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थी के अनुसार उसने 39 एलएनपी में मकान खरीद रखा है, जिसे लालचंद कुम्हार को किराये पर दे रखा था। मकान के एक कमरे में गगनदीप व साहिल रहते थे। आरोप है कि लालचंद कुम्हार के पुत्र विनोद व धर्मपाल अवैध नशे का कारोबार करते हैं, जिसका विरोध करने पर 18 फरवरी 2026 की रात करीब 9 से 9:30 बजे के बीच दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ। प्रार्थी का कहना है कि 18 फरवरी की रात 9:54 बजे उसे मोबाइल पर सूचना मिली कि 39 एलएनपी स्थित मकान में लड़ाई हो रही है। वह अपने भाई दीपक सोनी के साथ मौके पर पहुंचा, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। अगले दिन 19 फरवरी की रात करीब 10 बजे पुलिस उसके घर पहुंची और उसे थाने चलने के लिए कहा। प्रार्थी के अनुसार वह अपने भाई के साथ स्वयं कार से घमूडवाली थाने पहुंचा, जहां पहले से थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह मौजूद थे। आरोप है कि थाने के एक कमरे में ले जाकर उसके व राहुल मेघवाल के साथ पट्टों से मारपीट की गई और पूरी रात अवैध रूप से थाने में बंद रखा गया। प्रार्थी ने रात 10 से 11 बजे के बीच की सीसीटीवी फुटेज को साक्ष्य बताया है। प्रार्थी ने आईजी से थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। मामले में पुलिस प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मेहंदीपुर बालाजी में श्रीराम मंदिर वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों का होली मिलन समारोह संपन्न,'पंच परिवर्तन' का दिया संदेश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। मेहंदीपुर बालाजी के थाने के पास स्थित यूथ रूलर डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा संचालित श्रीराम मंदिर वृद्धाश्रम मेहंदीपुर बालाजी में गुरुवार को वृद्ध जनों के साथ होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सक्षम राजस्थान के संगठन मंत्री कमल कुमार, मुख्य वक्ता मोहन सिंह, मोहन लाल शर्मा, महेश सहारिया व आश्रम अध्यक्ष कृष्ण बल्लभ शर्मा के साथ अतिथियों द्वारा श्री मेंहदीपुर बालाजी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मोहन सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'पंच परिवर्तन' अभियान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा आज हमारा समाज जिस दिशा में जा रहा है, वहां परिवारों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है; पहले जहाँ परिवारों में चार-चार बच्चे हुआ करते थे, वह अब सिमटकर केवल दो बच्चों तक रह गए हैं। जिससे चाचा ताई बुआ फुफा जैसे कई रिश्तों का अस्तित्व खत्म हो रहा हैं। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक को एक गंभीर समस्या बताया, वर्षा जल संचयन, प्राचीन बावड़ियों व तालाबों के जीर्णोद्धार पर बल दिया। ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने कहा कि बीती सो बात गई। होली का असली आनंद तभी है जब हम मन में दबी पुरानी शिकायतों, ईर्ष्या और नफरत की धूल को साफ कर दें। यह पर्व हृदय की सफाई का अवसर है ताकि रिश्तों में फिर से मिठास घुल सके। मंच संचालन समाजसेवी सुनील सिंघल व विधि गोयल ने किया। समाजसेवी सुनील सिंघल ने अपने उद्बोधन में कहा की बुजुर्गों के एकाकी जीवन में खुशियों के रंग भरकर, श्रीराम मंदिर वृद्धाश्रम मानवता की सच्ची सेवा कर रहा है।अपनों से दूर हुए प्रभुजनों को सत्कार और सम्मान देना ही ईश्वर की असली भक्ति है, जो इस आश्रम के कण-कण में दिखती है। कार्यक्रम में आदर्श विद्या मंदिर मेहंदीपुर बालाजी के भैया बहनों द्वारा सजीव झांकियो व मनमोहन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी अतिथियों वृद्ध जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह के मुख्य अतिथि दिव्यांग सेवार्थ समर्पित राष्ट्रीय संगठन सक्षम राजस्थान के संगठन मंत्री कमल कुमार ने कहा कि बदलते दौर में रिश्तों की अहमियत को बचाना और प्रकृति का सम्मान करना ही वास्तविक उत्सव है। सभी को सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

6 वर्ष की छोटी बच्ची मेहनूर अंसारी ने रखा पहला रोजा

बारां (रॉयल पत्रिका) । रहमतों बरकतों ओर इबादतों का पाकीज़ा महीना रमजानुल मुबारक के पाक महीने में मजहब ए इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग रोजा रख कर इबादतों में मशगूल है। जहां बडे बुजुर्ग, नोजवान, महिला, पुरुष रोजा रख रहे हैं वहीं नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखकर इबादत में मशगूल है। गुरुवार को रिसालत अंसारी उर्फ अक्कू की 6 वर्षीय बेटी मेहनूर अंसारी ने अपना पहला रोज़ा मुकम्मल किया। दिन भर परिवार के साथ इबादत में मशगूल रही ओर शाम को मगरिब की अज़ान के साथ रोजा अफ्तार किया।परिवार के बाकी लोगों को रोज़े रखते देखकर छोटे बच्चे भी रोज़े रखकर इबादत में मशगूल रहते हैं। जिससे परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहता है।

अजमेर में ख्वाजा साहब के नाम से 100 वर्ष पुराने स्कूल का नाम सरकार ने बदला

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। शहर में 100 वर्ष पुराने राजकीय मोइनिया इस्लामिया स्कूल के नाम बदलने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजुमन सैयदजादगान के प्रवक्ता और अजमेर दरगाह शरीफ से जुड़े प्रमुख चेहरे सैयद सरवर चिश्ती ने इस कदम को साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश करार दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, एवं जयपुर स्थित वक्फ कमेटी के उप सचिव और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर नाम परिवर्तन के आदेश को तत्काल रद्द करने की मांग की है। चिश्ती ने कहा, "यह स्कूल गरीब नवाज हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के नाम पर स्थापित किया गया था। इसका नाम 'मोइनिया इस्लामिया' रखना सदियों पुरानी परंपरा और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है। शिक्षा विभाग बीकानेर की ओर से जारी आदेश के तहत अब इसे 'राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, स्टेशन रोड' नाम कर दिया गया है। यह फैसला बिना वक्फ बोर्ड की अनुमति के लिया गया है, जो नियम-विरुद्ध है।" उन्होंने आगे कहा कि यदि उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे राजस्थान हाईकोर्ट में मुकदमा दायर करेंगे। चिश्ती ने आरोप लगाया कि यह कदम अजमेर की सदियों पुरानी साम्प्रदायिक एकता और सौहार्द को खराब करने की कोशिश है। अजमेर, जहां हिंदू-मुस्लिम सद्भाव का प्रतीक ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह है, वहां ऐसे फैसले समाज में तनाव पैदा कर सकते।

आईसीएमआर-एनआईवी पूणे द्वारा जिले में लिए सैम्पल

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। आईसीएमआर टीम द्वारा जिले में भ्रमण कर मीजल्स (खसरा), रूबेला, हेपेटाइटिस रोग के बारे में चिकित्सा विभाग से समन्वय कर आमजन को जागरूक किया गया। सीएमएचओ डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि टीम द्वारा जिले के उप स्वास्थ्य केन्द्र, उंटवालिया, कोलासर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नोसरिया एवं सुजानगढ़ व रतनगढ़ के शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों से समन्वय कर मीजल्स (खसरा), रूबेला, हेपटाइटिस टीकाकरण आदि के बारे में सर्वे कर आमजन को जागरूक किया गया। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ. प्रवीण झुरिया ने बताया कि बच्चों में आयु वर्ग के अनुसार प्रत्येक केन्द्र से आवश्यकतानुसार मीजल्स (खसरा), रूबेला, हेपटाइटिस के ब्लड सैम्पल लिए, जिनकी जांच एनआईवी पूणे में की जायेगी। आईडीएसपी के एपेडोमोलिस्ट डॉ. बजरंग लाल ने बताया कि एनआईवी पूणे टीम में सदस्य राहुल जगताप, प्रदीप, रूतिक एवं सचिन आदि ने जिले में गतिविधियां करवाईं।

इरफान मोहम्मद बने आम मुस्लिम समाज के नए सदर

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा उपखंड क्षेत्र के रायला में बाद नमाज जुमा रायला में आम मुस्लिम समाज द्वारा दरगाह शरीफ परिसर में एक आम मुस्लिम समाज की मीटिंग हुई जिसमे सर्व सहमति से युवा इरफान मोहम्मद रंगरेज को सदर चुना गया। जिससे रायला के सभी युवा बुजुर्ग के चेहरों पर खुशी नजर आई और समाज के लोगों ने मिठाई खिलाकर मुबारकबाद दी। इस दौरान पूर्व कमेटी के मेंबर, गांव के सभी बड़े बुर्जुर्ग युवा मौजूद थे। नवनियुक्त सदर इरफान मोहम्मद ने कोम का शुक्रिया अदा करते हुआ कहा कि कोम ने उनको जो जिम्मेदारी दी वह इसे बखूबी अंजाम देंगे, समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने और सभी आपसी भाईचारे से रहे इस पर जोर दिया जाएगा।

जिला स्तरीय रोजगार उत्सव 28 को

बारां । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के अजमेर में होने वाले आयोजन के साथ ही जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय रोजगार उत्सव का आयोजन 28 फरवरी को प्रातः 11 बजे से जिला परिषद के प्रथम तल स्थित सभागार में किया जाएगा। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशानुसार रोजगार उत्सव के आयोजन के लिए मेडिकल कॉलेज को नोडल विभाग नियुक्त करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी को प्रभारी व सम्पूर्ण व्यवस्था के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना को नोडल अधिकारी तथा रोजगार अधिकारी राकेश कुमार वर्मा को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नवचयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम में वेलकम किट तथा नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। रोजगार उत्सव के दौरान नवनियुक्त कार्मिकों से राज्य स्तर कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से संवाद भी किया जाएगा। कार्यक्रम में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि सहित अन्य मौजूद रहेंगे।

वार्षिकोत्सव में हैरत-अंगेज़ सांस्कृतिक प्रस्तुतिओं ने मोहा सबका मन

-बारां कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का रंगारंग समापन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजकीय महाविद्यालय बारां में 27 फरवरी 2026 को वार्षिकोत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह 'सृजन' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी व विशिष्ट अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. कृष्ण मुरारी मीणा ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलन व माल्यार्पण से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर मुनेश चंद्र शर्मा ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की सत्र 2025-26 की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम मे विद्यार्थियों ने शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। शैक्षणिक सह-शैक्षणिक, खेलकूद, साहित्यिक, सांस्कृतिक इत्यादि गतिविधियों में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। पुरस्कार वितरण के उपरांत मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों से देश हित में अपना सर्वोच्च योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने बहुत ही सुंदर गीत "इक दिन बिक जायेगा माटी के मोल" की शानदार प्रस्तुति भी दी। विशिष्ट अतिथि डॉ के एम मीणा ने विद्यार्थियों को कॉलेज की रीढ बताते हुए कहा कि कदम-कदम पर महाविद्यालय के सफल संचालन में उनका योगदान अपेक्षित रहता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामकेश मीणा, डॉ. खुशबू नियरता, डॉ. शमशाद अली और प्रशस्तिराज ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सी.बी शर्मा, प्रो रामकेश मीणा, प्रो दीपक कुमार, प्रो विवेक कुमार नागर, प्रो राजेंद्र मीणा, प्रो भावना मीणा, प्रो रामकुमार मीना, प्रो संकेत कुमार, प्रो सांवरा राम, प्रो चंदनमल मेघवाल, प्रो शुभांगी जैन प्रो हंसराज कुमावत, प्रो नवीन नावरिया, प्रो विश्वनाथ प्रताप सिंह गुर्जर, प्रो संदीप बुगालिया, प्रो विजय पाल सिंह राठौड़, प्रो सुदेश कुमार शर्मा, प्रो मंथन गोयल, सी. एस त्यागी, मनीष शर्मा, गौरव मीना, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. लीनता अरोड़ा, सीताराम बेरवा, रवींद्र बादल, डॉ. हिमानी भाटिया, डॉ. रमन गुप्ता,केदार प्रसाद मीना, जितेंद्र पामेचा, हरीश मीना, टीना कुमारी मीना, रवि कुमार मालव, शीतल नागर, दौलतराम, महेश, रितेश, मनीष, हिमांशु, दीप्ति पोरवाल, फरियाद मोहम्मद, मोहम्मद हुसैन, योगेंद्र, गोपाल शर्मा, भुवनेश सहित बड़ी संख्या मे विधार्थी उपस्थित रहे। अंत में प्रभारी प्रो रामकेश मीणा ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन पर सभी का आभार व्यक्त किया।

वकालत की डिग्री लेते हुए एडवोकेट समीर खान गोड

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आथुना मोहल्ले के एडवोकेट समीर खान गोड पुत्र अयूब खान गोड ने जे जे टि लॉ कॉलेज झुंझुनू से वकालत की डिग्री हासिल की एक समारोह में मुख्य अतिथि डॉक्टर मधु द्वारा एल एल बी की उपाधि प्रदान की गई। एडवोकेट समीर खान गोड ने कहा कि मैं वकालत के साथ-साथ समाज की सेवा करूंगा और न्याय के प्रति जागरूक करूंगा। मेरे दादा स्वर्गीय नबी बक्स खान गोड का सपना था कि मेरा पोता वकील बने मैंने उनके पद चिन्हों पर चलकर वकालत को चुना है।

माहे रमजान के दूसरे जुम्मे (शुक्रवार) पर मस्जिदों में रही भीड़

-अल- हाशमी मस्जिद में इमाम मौलाना हाफिज कुर्बान अली ने नमाज अदा कराई

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रमजान के पवित्र महीने में जुमा पर मस्जिदों में विशेष नमाज अदा होती है। हर रोजेदार पहले से ही अपने नजदीकी मस्जिदों में जाकर जगह रोक लेते हैं और मुस्लिम मोहल्ले में मस्जिदों के आस-पास काफी चहल-पहल रहती है माह के दुसरे जुमे (शुक्रवार) की नमाज आज दोपहर 1:30 बजे अदा की गई। जुम्मा की नमाज का काफी महत्व है। इस दिन को इस्लाम में 'सैयदुल अय्याम' यानी दिनों का सरदार कहा जाता है। रमजान के दौरान जुमे की इबादत का सवाब (पुण्य) आम दिनों के मुकाबले 70 गुना तक अधिक माना जाता है। जुमे की नमाज की ख़ास विशेषताएं: होती है। इस दिन मस्जिद में सामूहिक इबादतः होती हैं।यह नमाज अकेले नहीं, बल्कि मस्जिद में जमात के साथ अदा की जाती है, जो समुदाय में एकता और भाईचारे का प्रतीक है। खुत्बाः नमाज से पहले इमाम साहब खुत्बा (धर्मोपदेश) देते हैं, जिसमें दीन की बातें और सामाजिक सुधार के संदेश दिए जाते हैं। इस दिन मुसलमान गुस्ल (स्नान) करते हैं, साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं और इत्र लगाते हैं। ओर दुआएं की जाती है। मस्जिद अल-हाशमी में मौलाना इमाम हाफिज कुर्बान अली ने जुम्मे की नमाज अदा करवाई और माहे रमजान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मस्जिद जुम्मे की अजान के साथ ही नमाजियों से भरनी शुरू हो जाती है। सभी रोजेदारों ने नमाज अदा की और अल्लाह से दुआएं मांगी।

रमजान के दूसरे जुमे पर मस्जिदों में उमड़ा जनसैलाब

मकराना (रॉयल पत्रिका)। माह-ए-रमजान के दूसरे जुमे (शुक्रवार) के अवसर पर शुक्रवार को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों में अकीदत और रूहानी मंजर देखने को मिला। दोपहर कि गर्मी के बावजूद, रोजेदारों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। हजारों की संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने मस्जिदों में एकत्र होकर जुमे की विशेष नमाज अदा की और देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआएं मांगी। शहर के क़र्बला चौक स्थित सुन्नी जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में सुबह से ही तैयारियां शुरू हो गई थीं। नमाज के निर्धारित समय से काफी पहले ही मस्जिदें पूरी तरह भर गईं, जिसके चलते मस्जिद कमेटियों को मस्जिद कि छतों पर सफें (कतारें) बिछाने के विशेष इंतजाम करने पड़े। सफेद लिबास और सिर पर टोपी पहने बच्चे, युवा और बुजुर्गों का समूह एक ही पंक्ति में इबादत के लिए खड़ा नजर आया। नमाज से पूर्व मस्जिदों के इमामो ने तकरीरे करतें हुए रमजान, ज़कात के मसाइल बताये। सुन्नी जामा मस्जिद मे मौलाना शमसुद्दीन कादरी ने रमजान के दूसरे अशरे (दूसरे 10 दिन) की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह समय 'मगफिरत' (गुनाहों से माफी) का है। उन्होंने कहा कि रोजा केवल भूखा-प्यासा रहने का नाम नहीं, बल्कि बुराइयों से बचने का संकल्प है। उन्होंने समाज के गरीब और जरूरतमंद तबके की मदद के लिए जकात और सदका निकालने की अपील की गई। सदर बाजार स्थित सुन्नी शाहजहानी मस्जिद मे मौलाना मुफ़्ती वसीम रजवी ने रोजे मसाइल बताते हुए कहा कि नौजवानों को मोबाइल और फिजूलखर्ची के बजाय इबादत में वक्त बिताने की जरूरत है। नमाज के बाद मस्जिदों में विशेष दुआ का आयोजन हुआ। खुदा की बारगाह में हाथ फैलाकर लोगों ने अपनी गलतियों की तौबा की और मुल्क की सलामती, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआएं मांगी।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

महवा विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए विधानसभा में गूंजा सशक्त स्वर

-विधायक राजेंद्र मीना ने रखी जनहित की ऐतिहासिक मांगें, भाजपा सरकार की विकासवादी सोच को सराहा

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेंद्र मीना ने विधानसभा में पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़ी क्षेत्र की महत्वपूर्ण एवं जनभावनाओं से संबंधित मांगों को मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है तथा महवा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

ग्रामीण विकास से जुड़ी प्रमुख मांगें:

विधायक राजेंद्र मीना ने महानरेगा (वीबीरामजी) योजना में संशोधन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि वर्तमान में केवल आबादी भूमि में ही सीसी सड़कों के निर्माण की अनुमति है, जबकि आज बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने खेतों के पास निवास कर रहे हैं। ऐसे में राजस्व विभाग में "गैर मुमकिन रास्तों" के रूप में दर्ज मार्गों पर भी सीसी इंटरलॉकिंग सड़कों के निर्माण की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि आमजन को आवागमन में सुविधा मिल सके। राजीविका के अंतर्गत गठित चार सीएलएफ कार्यालयों के लिए भवन निर्माण हेतु प्रति सीएलएफ 30 लाख रुपए, कुल 1.20 करोड़ रुपए का बजट उपलब्ध करवाने की मांग रखी।

प्रधानमंत्री आवास योजना में बढ़े सहायता राशि:

विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्तमान में प्रति आवास लगभग डेढ़ लाख रुपए की सहायता मिलती है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में दो कमरे, रसोई और शौचालय निर्माण हेतु पर्याप्त नहीं है। अतः राज्य मद से प्रत्येक आवास पर अतिरिक्त 80 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जानी चाहिए, जिससे गरीब परिवारों का पक्का घर का सपना साकार हो सके।

पेयजल एवं आधारभूत सुविधाओं पर विशेष जोर:

विधायक राजेंद्र मीणा ने पेयजल व्यवस्था हेतु एकल बिंदु हेड पंप स्थापना के लिए भूमि स्वामित्व संबंधी जटिल प्रावधानों में बदलाव की मांग की। उन्होंने कहा कि पूर्व की भांति सहमति के आधार पर स्थापना की अनुमति दी जानी चाहिए, ताकि खातेदारी भूमि में बसे लोगों को भी पेयजल सुविधा मिल सके। चारागाह भूमि में वृक्षारोपण के साथ-साथ पेयजल व्यवस्था हेतु एकल बिंदु की अनुमति देने की मांग भी उन्होंने प्रमुखता से उठाई।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हित में मांग:

विधायक राजेंद्र मीणा ने विधानसभा में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के कनिष्ठ अभियंताओं की लंबित पदोन्नति पर चिंता व्यक्त

करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने प्रत्येक वर्ष नियमित डीपीसी कर पदोन्नति सुनिश्चित करने की मांग की।साथ ही निर्माण कार्यों की शिकायतों की जांच संबंधित विभाग के अभियंताओं से ही कराए जाने का सुझाव दिया। ग्राम विकास अधिकारियों की जिम्मेदारियों को देखते हुए उनकी ग्रेड पे 2400 से बढ़ाकर 3600 किए जाने, नियमित पदोन्नति, अतिरिक्त स्टाफ उपलब्ध कराने तथा विकास अधिकारी को 1 लाख रुपए तक व्यय की वित्तीय स्वीकृति देने की मांग रखी, ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

पंचायत भवनों एवं आधारभूत ढांचे के लिए बड़ा प्रस्ताव:

विधायक राजेंद्र मीणा ने पंचायत समिति महुवा की नई भवन निर्माण हेतु 2 करोड़ रुपए तथा क्षेत्र की 40 जर्जर पंचायत भवनों के पुनर्निर्माण हेतु लगभग 15 करोड़ रुपए के बजट की मांग रखी। नवगठित ग्राम पंचायतों में ओपन जिम, लाइब्रेरी, सुंदर मोक्षधाम, नालियों, सड़कों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देने की बात कही।

भाजपा सरकार की विकास सोच, कांग्रेस पर प्रहार:

विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि भाजपा सरकार "सबका साथ, सबका विकास" की भावना से गांव-गांव तक विकास पहुंचाने का कार्य कर रही है, जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की मूलभूत आवश्यकताओं की अनदेखी की। आज भाजपा सरकार के नेतृत्व में गांवों में सड़कों, आवास, पेयजल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि महुवा विधानसभा क्षेत्र के सम्मान, स्वाभिमान और विकास के लिए वे सदैव संघर्षरत रहेंगे और जनता की प्रत्येक जायज मांग को सरकार तक पहुंचाकर उसे पूर्ण करवाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। विधायक राजेंद्र मीना ने कहा कि यह सभी मांगें केवल विकास कार्य नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता की भावनाओं, सम्मान और अधिकारों से जुड़ी हुई हैं, और इन पर सकारात्मक निर्णय से महवा क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

कुरान में स्पष्ट है कि अल्लाह तुम्हारे लिए आसानी चाहता है तंगी नहीं यह संदेश रमजान की इबादतों में भी झलकता हैं - मुफ्ती गुलशेर रज्जा अल-मिस्बाही

मोहम्मद अली पठान

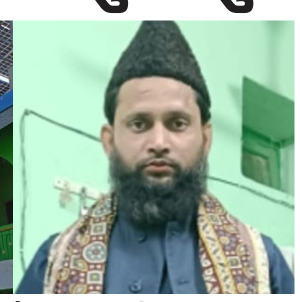

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मदरसा सैयदना तौकीर उल-उलूम सैनिक बस्ती के प्रिंसिपल मुफ्ती गुलशेर रज्जा अल-मिस्बाही ने माहे रमजान की मुबारकबाद दी। ओर कहा माहे रमजान के बारे में पवित्र कुरान में कई महत्वपूर्ण और विशेष बातें बताई गई हैं। जो इस महीने को इस्लाम में सबसे पवित्र बनाती हैं। कुरान का अवतरणः कुरान की सूरह अल-बकरा (2:185) के अनुसार, रमज़ान वह महीना है जिसमें कुरान इंसानियत के मार्गदर्शन (हिदायत) के लिए उतारा गया ।

इसी महीने की एक विशेष रात, जिसे 'लैलतुल कद्र' कहा जाता है, में पहली बही (संदेश) नाजिल हुई थी। रोज़ा रखना अनिवार्यः कुरान में आदेश दिया गया है कि जो कोई भी इस महीने को पाए, वह रोज़ा (व्रत) रखे। यह इस्लाम के पांच प्रमुख स्तंभों में से एक है। तक़वा (परहेजगारी) का उद्देश्यः कुरान के अनुसार, रोज़े का मुख्य उद्देश्य इंसान के भीतर 'तक़वा' यानी ईश्वर-भय-चेतना और संयम पैदा करना है। यह केवल भूखे रहने का नाम नहीं, बल्कि अपनी बुराइयों और इच्छाओं पर नियंत्रण पाने का अभ्यास है। बीमारों और मुसाफिरों को छूटः कुरान उदारता दिखाते हुए कहता है कि जो व्यक्ति बीमार हो या यात्रा पर हो, उसे उस समय रोज़ा न रखने की अनुमति है, लेकिन उसे बाद में उतने दिनों की गिनती पूरी करनी होगी। अल्लाह की आसानीः कुरान में स्पष्ट है कि "अल्लाह तुम्हारे लिए आसानी चाहता है।, तंगी नहीं"। यह संदेश रमज़ान की इबादतों में भी झलकता है। माहे रमजान की अहमियत इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि इसी माह में पवित्र कुरआन पूरा नाजिल हुआ। रमजान की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए, मुफ़्ती साहब ने बताया कि मानसिक रूप से स्वस्थ हर मुस्लिम मर्द और औरत के लिए रमजान का रोजा अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि में केवल खाने पीने से परहेज का नाम रोजा नहीं है बल्कि ये जरूरी है कि शरीर के विभिन्न अंगों जैसे हाथ, पैर, दिल, आंख कान आदि को भी उन चीजों और कामों से बचाया जाए जिसकी मनाही अल्लाह ने की है। कुरआन और हदीस का हवाला देते हुए कहा कि रोजा की हालत में चंद चीजों को छोड़ने की प्रैक्टिस और ट्रेनिंग दी जाती है ताकि सारी उम्र वो खुदा के हुक्म के अनुसार जीवन गुजारेगा और वो उन चीजों को छोड़ देगा जो उसके रब को नापसंद है। रोजा की हालत में खाना पीना छोड़ देना दरअसल इस बात का प्रमाण है कि बंदा अपने रब के फरमा बरदार है। वो हर उस चीज को छोड़ने के लिए तैयार हो जाता है जिसे छोड़ने का आदेश अल्लाह ने दिया है। यहां तक कि निर्धारित अवधि में वो भूखा प्यासा रहने को भी तैयार हो जाता है। रोजा की पाबंदी के साथ-साथ कुरआन की तिलावत भी करें। और जहां तक हो सके तिलावत-ए-कुरान तर्जुमा से पढ़ें और सीखें कोशिश ये होनी चाहिए कि किसी से भी चीख चिल्ला कर बात न करें, न ही किसी से लड़ाई झगड़ा करें। पीठ पीछे दूसरे की बुराई न करें। रमजान के महीने में लोग अपनी मुट्ठी खोल दें। गरीब, बेसहारा, और जो जकात का हकदार है उसको जकात अदा करें। एक माह के रोजे रखना भी वैज्ञानिक दृष्टि से स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

छह वर्ष के फ़ैज़ ने रखा पहला रोजा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। रहमतों बरकतों ओर इबादतों का पाकीज़ा महीना रमजानुल मुबारक के पाक महीने में इस्लाम के मानने वाले तमाम लोग रोजा रख कर इबादतों में मशगूल है । जहां बडे बुजुर्ग, नोजवान, महिला, पुरुष रोजा रख रहे हैं वहीं नन्हे बच्चे भी रोज़ा रखकर इबादत में मशगूल है। शहर के जोधपुर निवासी मोहम्मद इकबाल गजधर के पोते ओर मोहम्मद इरफान के बेटे मोहम्मद फैज ने अपना पहला रोजा रखा। दिन भर इबादत करके शाम को मगरिब की अज़ान के साथ

रोज़ा खोला ओर नमाज पढ़ कर अल्लाह का शुक्र अदा किया। मोहम्मद फैज को बस्ती वालों ने खूब दुआओ से नवाजा।

कृत्रिम अंग पाकर दिव्यांगजनों के खिले चेहरे

बारां (रॉयल पत्रिका)। निदेशालय विशेष योग्यजन के निर्देशानुसार भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, सार्वजनिक संस्था धर्मादा एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के समन्वय से दूसरे दिन शुक्रवार को भी सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक धर्मादा संस्था धर्मशाला में शिविर आयोजित कर विशेष योग्यजनों को कृत्रिम अंग व सहायता उपकरण वितरित किए गए। वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा के अन्तर्गत आयोजित शिविर में विशेष योग्यजनों को कृत्रिम अंग हाथ, पैर एवं केलिपर, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, बैसाखी, वाकर, वाकिंग स्टीक, एल्बो क्रवेज, ट्राई साइकिल, ब्लाइंड स्टिक आदि कृत्रिम अंग व उपकरण निशुल्क वितरित किए गए। जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर ने बताया कि शिविर समापन समाजसेवी जयेश गालव, क वर्ग व्यापार संघ के अध्यक्ष मनीष लश्करी, संस्था धर्मादा के पदाधिकारीगण एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रतिनिधि द्वारा किया गया। जिसमें कुल 66 ट्राईसाइकिल, 13 हियरिंग हेड, 34 कृत्रिम अंग, 9 एल्बो क्रचेज, 9 कैलिपर, 21 व्हीलचेयर, 27 गेट क्रंचेज का निःशुल्क वितरण किया गया।

कंकु विजय महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने जोधपुर के रमणीय स्थानों का किया भ्रमण

पाली (रॉयल पत्रिका)। शहर के कंकु विजय महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण मे जोधपुर के विभिन्न रमणीय स्थानों पर जाकर रोचक जानकारी के साथ ही पक्षियों को अठखेलियो को ध्यान से निहारा। कॉलेज निदेशक अभिषेक जैन व प्राचार्य डॉ. करण सैन ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों का दल जोधपुर में नवनिर्मित अक्षर धाम मंदिर की बेजोड़ शिल्पकला व प्रस्तरों पर उत्कीर्ण भिन्न-भिन्न कलाकृति देखकर सभी आश्चर्यकित रह गए । उन्होने मंदिर में स्वामी नारायण प्रभु के दर्शन कर, भोजन ग्रहण किया गया ।तत्पश्चात् भ्रमण माचिया सफारी पार्क में भिन्न भिन्न प्रजाति के जंगली जानवरों व पक्षियों की अठखेलियों को नजदीक से निहारते हुए कायलाना झील पर नौका विहार का आनंद लिया। मेहरानगढ़ दुर्ग का निहारा वैभव - सैन ने बताया कि भ्रमण दल ब्लू सीटी जोधपुर का सिरमौर मेहरानगढ़ दुर्ग पहुंचा। जहॉ उन्होने दुर्ग की भव्यता व प्राचीन धरोहर को देख सभी बेहद प्रसन्न हुए गाइड द्वारा दुर्ग के इतिहास की जानकारी प्रदान की गई, जो सभी के लिए ज्ञान वर्धक साबित हुई। वहा से दल मंडोर पार्क पहुंचा जहा उन्होने शाम को पार्क में होने वाले लेजर लाइट शो में मण्डोर के इतिहास को दिख व सुनकर सभी को निर्माताओं शासकों पर गर्वानुभूति अहसास किया। इस मोके पर व्याख्याता प्रीति पंवार, लता महावर, दिनेश विश्नोई, प्रवीण द्विवेदी, आजाद सैन उपस्थित रहे।

पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनूं की तरफ से लगाया गया जागरूकता शिविर

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जोबनेर (जयपुर) के द्वारा संचालित पशु विज्ञान केंद्र, झुंझुनूं द्वारा गाँव बेरी में जागरुकता शिविर का आयोजन किया। जिसमें विधार्थियों को विज्ञान विषय में केरियर संभावनाओं जैसे पशु चिकित्सक और 2 वर्षीय डिप्लोमा के स्कोप के बारे में विस्तारपूर्वक बताते हुए बैंक, आर्मी, पैरामिल्ट्री तथा प्राइवेट क्षैत्र जैसे डेयरी मेनेजर, फार्मा कंपनियों में जॉब के अवसरों को बताते हुए विभिन्न बीमारियों जैसे कोरोना, डेंगू, मलेरिया, रैबीज, ट्यूबरक्लोसिस, ब्रूसेलोसिस आदि के साथ साथ प्रोटोजोआ जनित बीमारियों के कारण, उपचार एवं बचाव के बारे में

बताया और केंद्र की प्रयोगशाला में निशुल्क होने वाली रक्त, दूध, मल- मूत्र आदि की विभिन्न जांचों के बारे में और पशु चिकित्सा से जुड़े हुए विभिन्न आयामों के बारे में बताया।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने किया सखी वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी ने राजकीय बांगड़ चिकित्सालय, पाली में संचालित सखी वन स्टॉप सेन्टर का औचक निरीक्षण किया। सचिव भाटी ने सखी वन स्टॉप सेन्टर पर पीड़िताओं के लिये आवासीय सुविधाओं इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। केन्द्र में घरेलू हिंसा पीड़ितों के लिए अस्थाई आवास की सुविधा उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान सखी वन स्टॉप सेन्टर के रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया। केन्द्र पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा में पाया गया कि केन्द्र द्वारा सक्रिय

व प्रभावी रूप से कार्य किया जा रहा है। सेन्टर पर सहायता के लिए पीड़ित महिलाओं को प्रदान की गई सहायता के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। काउंसलिंग के लिए पीड़ित महिला को हर संभव सहायता प्रदान करने एवं विधिक सहायता अपेक्षित होने पर निःशुल्क विधिक सहायता के लिए प्राधिकरण को आवेदन पत्र प्रेषित किये जाने के संबंध में सचिव भाटी द्वारा निर्देश दिये गये। वन स्टॉप सेन्टर के विभिन्न रजिस्टरों एवं पत्रावलियों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। विगत माह के आंकडे एकत्रित किए। निरीक्षण के दौरान प्रबन्धक देवी बामणिया, सोनिया जोशी आदि उपस्थित रहे।

कैम्पस प्लेसमेंट में 310 युवाओं का प्रारम्भिक चयन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय द्वारा राजस्थान कौशल रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर में कैम्पस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य आयोजना अधिकारी कैलाशचन्द मीणा, जिला रोजगार अधिकारी राकेश कुमार वर्मा एवं रूडसेट संस्था के दीपक भारद्वाज द्वारा किया गया। कैम्पस प्लेसमेंट शिविर में सम्मिलित सभी कंपनियों एवं रिक्तियों की जानकारी से आशार्थियों को रोजगार कार्यालय के वरिष्ठ सहायक देवेन्द्र कुमार मीणा ने अवगत कराया। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने बारी-बारी से कंपनियों, जॉब एवं प्रशिक्षण की जानकारी दी तथा साक्षात्कार प्रक्रिया शुरू की। शिविर में कुल 447 युवाओं ने पंजीयन कराया तथा 8 कंपनियों व संस्थाओं द्वारा 343 युवाओं का प्रारंभिक चयन किया गया। जिसमें नियोजक कंपनियों ने 310 युवाओं का वैतनीय नौकरी के लिए प्राथमिक चयन किया। छह युवाओं को प्रशिक्षण तथा रूडसेट संस्थान द्वारा 27 युवाओं को स्वरोजगार के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही कार्मिक जसवंत सिंह द्वारा राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजना मुख्यमंत्री युवा सम्बल योजना के बारे में जानकारी दी तथा ज्यादा से ज्यादा आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में ऑल इंडिया जॉब सॉल्यूशन, ग्रॉफास्ट ऑर्गेनिक डायमंड प्राइवेट लिमिटेड, बीएनएच मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड मुम्बई, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, यूनिवर्सल सेम्पो जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, चंबल फर्टिलाईजर्स स्किल इंस्टीट्यूट कोटा, राजकीय आईटीआई तथा रूडसेट इंस्टीट्यूट आदि कम्पनियों व संस्थाओं ने चयन प्रक्रिया में भाग लिया। कौशल प्रशिक्षण योजनाओं के बारे में आरएसएलडीसी के मनोज यादव ने युवाओं को जागरूक किया।

पंच-गौरव किन्नौ महोत्सव का आयोजन: 550 किसानों ने लिया हिस्सा, वैज्ञानिक तकनीकों से बढ़ेगी आय

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के "पंच गौरव" कार्यक्रम के अंतर्गत संगरिया स्थित कृषि विज्ञान केंद्र ग्रामोत्थान विद्यापीठ में शुक्रवार को किन्नौ महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। उद्यान विभाग और जिला प्रशासन हनुमानगढ़ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले व आसपास क्षेत्रों से लगभग 550 किसान, प्रगतिशील बागवान, वैज्ञानिक, उद्यमी और विभागीय अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई ने कहा कि हनुमानगढ़ किन्नौ उत्पादन की दृष्टि से अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यदि किसान वैज्ञानिक पद्धतियां, संतुलित पोषण प्रबंधन और आधुनिक सिंचाई तकनीक अपनाएं तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना सकते हैं। उन्होंने उद्यानिकी को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। तकनीकी सत्र कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। इसमें कृषि विशेषज्ञों ने किन्नौ उत्पादन से जुड़ी वैज्ञानिक जानकारिया दीं।

डॉ. जितेंद्र सिंह बराड़ ने साइट्रस फसलों में मृदा परीक्षण और पोषक तत्व प्रबंधन पर चर्चा की, जबकि क्षेत्रीय फल अनुसंधान केंद्र अबोहर के डॉ. कृष्ण कुमार ने किन्नौ की किस्मों, रोग प्रबंधन और निर्यात संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. बी.एस. यादव ने माइक्रो इरिगेशन और मल्चिंग जैसी जल प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी तथा डॉ. विनोद सहारण ने कटाई उपरांत प्रबंधन, ग्रेडिंग, पैकिंग और मूल्य संवर्धन के उपाय बताए। कृषि अधिकारी डॉ. साहबराम गोदारा ने उद्यान विभाग की योजनाओं व अनुदानों से किसानों को अवगत कराया। महोत्सव में आयोजित फल व सब्जी प्रतियोगिता में किसानों ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदर्शित किए। विभिन्न विभागों और कंपनियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर नवीन कृषि यंत्र, उन्नत किस्में, जैविक उत्पाद और प्रसंस्करण तकनीक प्रदर्शित की गईं। किसानों ने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर समस्याओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिताओं और उत्कृष्ट स्टॉल प्रदर्शन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अनूप कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन से किन्नौ उत्पादन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा, लागत घटेगी और किसानों की आय बढ़ेगी। उन्होंने किसानों से किसान सारथी ऐप में पंजीकरण कराने का आह्वान भी किया।

महिला अधिकार व सशक्तिकरण पर जिला स्तरीय कार्यक्रम

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में "महिलाओं और बालिकाओं के लिए अधिकार, न्याय और कार्यवाही" थीम पर शुक्रवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के 85 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओ.पी. बिश्नोई रहे। शुरुआत में राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक वैभव अरोड़ा ने जिले में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए संचालित गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। अपने संबोधन में सीईओ बिश्नोई ने महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्त होना समाज की प्रगति का आधार है। जयपुर से पहुंचे यूएन वूमेन की स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. मुक्ता अरोड़ा ने महिलाओं के अधिकार, समानता और नेतृत्व क्षमता के महत्व पर प्रेरक विचार साझा किए। महिला अधिकारिता विभाग की श्रीमती श्रुतिका डागला ने उपस्थित महिलाओं को लैंगिक समानता, घरेलू हिंसा की रोकथाम और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक किया।

प्रतिभाएं / शिखर चंद जैन

क्रिएटिव-इनोवेटिव ये लिटिल साइंटिस्ट

विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में बड़ी उम्र के वैज्ञानिक ही नहीं, बाल वैज्ञानिक भी अपना उल्लेखनीय योगदान देकर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। इनके आविष्कार जनहित में बहुत उपयोगी हैं। जानो, ऐसे ही कुछ प्रतिभावान नन्हे वैज्ञानिकों के बारे में।

स्वयं सोढ़ा : सबसे कम उम्र के कोडिंग एक्सपर्ट्स में शामिल

स्वयं सोढ़ा, विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक उभरता हुआ बाल वैज्ञानिक और नवाचारी (इनोवेटर) है। मुंबई के रहने वाले स्वयं को उसके असाधारण तकनीकी ज्ञान के लिए जाना जाता है। स्वयं ने मात्र चार वर्ष की आयु में पायथन प्रोग्रामिंग सीखना शुरू कर दिया था। उसे दुनिया के सबसे कम उम्र के कोडर में से एक माना जाता है। बारह साल की उम्र में ही स्वयं ने सूचना प्रौद्योगिकी में मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर ली। स्वयं ने 'स्वयंईजोन' नामक एक स्टार्टअप की स्थापना की है, जो भविष्य के स्मार्ट चश्मे विकसित करने पर केंद्रित है। स्वयं का मानना है, ये चश्मे आने वाले वर्षों में स्मार्टफोन की जगह ले सकते हैं। स्वयं डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक विषयों में गहरी रुचि रखता है। स्वयं को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें नेहरू विज्ञान केंद्र जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। स्वयं न केवल कोडिंग का मास्टर है, बल्कि नेहरू साइंस सेंटर जैसे बड़े मंचों पर जाकर वह अन्य बच्चों को भी 'स्टेम' मतलब विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित सीखने के लिए प्रेरित करता है। *

राउल जॉन अजू : बारह साल की उम्र में बनाया रोबोट

केरल के राउल जॉन अजू को 'भारत का एआई किड' कहा जाता है। विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उसकी उपलब्धियां असाधारण हैं। राउल ने मात्र छह साल की उम्र में कोडिंग और एआई सीखना शुरू किया और बारह साल की उम्र में अपना पहला रोबोट बनाया। उसने 'मी बॉट' नामक एक ह्यूमनॉइड रोबोट विकसित किया है, जो उसकी अपनी आवाज में बात कर सकता है, उसके कार्यों में मदद करता है। राउल, केरल और दुबई (यूएई) सरकारों के लिए एक आधिकारिक एआई सलाहकार के रूप में काम कर रहा है, जहां वह 'जस्ट ईज प्रोजेक्ट 47X' जैसे नागरिक-केंद्रित एआई सिस्टम विकसित करने में मदद कर रहा है। राउल ने 'एआई रियल्म टेक्नोलॉजीज' नामक स्टार्टअप की स्थापना की है। राउल ने वैश्विक स्तर पर 1.5 लाख से अधिक छात्रों और पेशेवरों को एआई का प्रशिक्षण दिया है, जिनमें आईआईटी मद्रास और गूगल टेक जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के लोग शामिल हैं। राउल तीन बार टेड-एक्स स्पीकर रह चुका है, उसने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव जैसे बड़े मंचों पर अपनी बात रखी है। राउल भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतियोगिता 'स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन' में दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भी रहा है। *

जानकारी / नयनतारा

बच्चो, विंडमिल यानी पवनचक्की एक ऐसा यंत्र है, जो गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा या विद्युत ऊर्जा में बदलता है। विंडमिल कैसे काम करता है, इसका प्रयोग कब से शुरू हुआ? यहां बता रहे हैं विंडमिल से जुड़ी जानकारी।

हवा से ऊर्जा उत्पन्न करने वाला यंत्र विंडमिल

बच्चो, विंडमिल एक ऐसा यंत्र है, जिसका प्रयोग अनाज पीसने, बिजली उत्पादन, पानी निकालने और सप्लाई करने जैसे कार्यों में किया जाता है। जानो, इस पारंपरिक बहुपयोगी ऊर्जा उत्पादक यंत्र के बारे में।

कब से शुरू हुआ प्रयोग: विंडमिल का प्रयोग कोई आधुनिक युग की बात नहीं है। कई सदियों से विंडमिल का प्रयोग किसी न किसी रूप में होता आ रहा है। कहा जाता है, विंडमिल के सिद्धांत के बारे में लोगों को प्राचीन समय से ही जानकारी थी। 12वीं शताब्दी से लेकर 18वीं शताब्दी में स्टीम पॉवर के आविष्कार तक इनका बड़ी संख्या में प्रयोग किया जाता था। 17वीं शताब्दी में अकेले नीदरलैंड देश में ही 8,000 से अधिक विंडमिल थीं। उन दिनों सिंचाई के लिए पानी पंप करने हेतु छोटी विंडमिल भी बहुत पॉपुलर थीं।

पहले इसे क्या कहते थे: शुरुआत में विंडमिल को 'पोस्ट' या 'जर्मन मिल' कहते थे। उसमें एक स्थिर वर्टिकल पोस्ट होता था, जिसके इर्द-गिर्द पूरी मिल घूमती थी ताकि विंडमिल हवा का सामना कर सके। एक अन्य प्रमुख प्रकार की विंडमिल 'टावर' थी, जिसे 'टरेट' या 'डच मिल' भी कहते थे। इसमें एक स्थिर टावर पर विंडमिल और शाफ्ट को घूमते हुए टरेट पर सेट किया जाता था।

हवा में कैसे चलती है विंडमिल: विंडमिल में हवा से चलने वाला एक पहिया होता है, जिसे विंडव्हील कहते हैं। इसमें एक शाफ्ट से अनेक बराबर के संतुलित वेन लगे होते हैं, जैसे कुछ छत के पंखों में लगी उसकी पत्तियां देखते होंगे। इन वेन को सेल्स भी कहते हैं। जब हवा सेल्स से टकराती है तो विंडव्हील घूमने लगता है और शाफ्ट भी घूमती है। यह घूमता हुआ बल शाफ्ट से गियरों में या मशीन के उन पार्ट्स में जाता है, जो कि काम करते हैं। इस प्रकार विंड मिल से ऊर्जा उत्पन्न होती है। *

आराध्या जैन : बुजुर्गों-दृष्टिबाधितों के लिए बनाई स्मार्ट स्टिक

आराध्या जैन, विज्ञान और तकनीक क्षेत्र में एक असाधारण प्रतिभावान बच्ची है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। आराध्या को 2026 के 'टॉप 100 ग्लोबल चाइल्ड प्रॉडिजी' में चुना गया है। उसे जून 2025 में ब्रिटिश संसद (लंदन) में 'इनोवेशन और टेक्नोलॉजी' श्रेणी में सम्मानित किया गया। आराध्या ने समाज की समस्याओं के समाधान के लिए कई तकनीकी प्रोजेक्ट्स बनाए हैं। आराध्या ने बुजुर्गों और दृष्टिबाधित लोगों के लिए स्मार्ट स्टिक बनाई है। यह स्टिक उन्हें न केवल वस्तुओं से टकराने से बचाती है, बल्कि एआई का उपयोग करके गिरने से भी रोकती है। यह स्टिक आपातकालीन स्थिति में जीपीएस के माध्यम से लोकेशन भी शेयर करती है। विकासशील देशों में ट्रैफिक की समस्या को कम करने के उद्देश्य से आराध्या ने स्वचालित टोल गेट और सेल्फ-ड्राइविंग कार के मॉडल भी तैयार किए हैं। आराध्या ने गणित, विज्ञान और साइबर टेक्नोलॉजी जैसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड में कई स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 70 से अधिक देशों के बच्चों के बीच आयोजित 'इकोट ग्लोबल हैकथॉन' की फाइनलिस्ट भी रही है। महान महिला वैज्ञानिक मैडम क्यूरी को अपना आदर्श मानने वाली आराध्या, भविष्य में एक वैज्ञानिक बनकर दुनिया को बेहतर बनाने की चाह रखती है। *

मनीषका दुबे : बच्चों की सुरक्षा के लिए बनाया विशेष बैंड

विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारत की एक प्रसिद्ध बाल आविष्कारक है मनीषका दुबे। देहरादून की रहने वाली मनीषका ने मात्र पांच वर्ष की आयु से तकनीक के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया था। उसने बच्चों की सुरक्षा के लिए एक विशेष बैंड विकसित किया है, जो बच्चों के खो जाने पर उनके माता-पिता को ढूंढने में मदद करता है। इस प्रोटोटाइप के लिए उसे आईनेक्स इंडिया प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक मिला था। मनीषका कलर्स इनफिनिटी टीवी पर प्रसारित होने वाले शो 'द इन्वेंटर चैलेंज' की सबसे कम उम्र की विजेता रही है। वर्ष 2024 में उसने दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा के लिए एक स्मार्ट डिवाइस बनाई, जिसके लिए उसे थाईलैंड के राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद से स्वर्ण पदक और विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके अलावा उसने साइप्रस और पोलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नवाचार प्रदर्शनियों में यंग ई-इनोवेटर अवॉर्ड और स्वर्ण पदक जीते हैं। मनीषका 'टिंकर टेकी' नामक स्टार्टअप की संस्थापक है, जिसका उद्देश्य लड़कियों को रोबोटिक्स और कोडिंग के क्षेत्र में सशक्त बनाना है। उसे इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है और वह आईआईटी बॉम्बे के टेकफेस्ट में आयोजित ड्रोन प्रतियोगिता की सबसे कम उम्र की प्रतिभागी भी रही है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को प्रेरणास्त्रोत मानने वाली मनीषका भविष्य में एक अंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक बनना चाहती है। *

कविता / गिरिजा कुलश्रेष्ठ

खेलें ऐसी होली

रंग-उमंग
गुलाल प्रेम का,
भर लो अपनी झोली।
खेलो ऐसी होली।
भरो भरोसे के गहरे रंग,
अपने निश्छल मन में।
बेगानों को भी आज डुबा दो,
अपनेपन में।
गली-गली में धूम मचाओ,
साथ लिए हमजोली।
खेलो ऐसी होली।
गाओ हिलमिल गीत सुरीले,
रचे प्रेम के रंग में।
बना रहे विश्वास प्रेम,
मचले उमंग अंग-अंग में।
खुशबू बिखरे आंगन-आंगन,
बोलो ऐसी बोली।
खेलो ऐसी होली।
अपने रूठे हैं तो जाओ,
जाकर उन्हें मना लो।
द्वेष दुराग्रह, संदेहों की
होली चलो जला लो।
शब्द नहीं भाषा केवल
भावों से जाए तोली।
खेलो ऐसी होली।
पकी बालियां गेहूं की,
और बौराई अमराई।
टहनी-टहनी पल्लव पीके,
किंशुक फाग रचाई।
सुबह-शाम चुपके से,
मुस्काई बिखेरकर रोली।
तुम खेलो ऐसी होली।

कहानी

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

स्कूल में होली की छुट्टियां एनाउंस की गईं तो बच्चों ने घर जाते समय रंग खेलने का प्लान बनाया। हालांकि प्रिंसिपल सर ने गलत ढंग से होली ना खेलने की सख्त हिदायत दी थी, लेकिन बच्चों ने नहीं सुनी। स्कूल की छुट्टी होते ही बच्चों ने बाहर सड़क पर ऐसी हुड़दंग मचाई कि दुर्घटना हो गई। फिर तो बच्चों की सिट्टी-पिट्टी गुम

होली का हुड़दंग

कल से स्कूल में होली की छुट्टियां हो रही थीं। बच्चों का मन रंग खेलने के लिए कई दिनों से मचल रहा था, लेकिन किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी। प्रिंसिपल सर ने स्कूल के अंदर रंग खेलने से सख्ती से मना कर रखा था। बच्चों ने तय कर रखा था, होली की छुट्टियों से पहले, आखिरी दिन स्कूल छुट्टी के बाद वे गेट के बाहर जाकर जी भर के रंग खेलेंगे। आज वही दिन था, इसलिए सभी पूरी तैयारी के साथ स्कूल आए थे। बच्चों ने अपने बस्तों में रंग की पुड़िया छुपा रखी थी। बोतलों में पानी भर रखा था। सभी को प्रतीक्षा थी, कब छुट्टी की घंटी बजे, वे स्कूल से बाहर निकल कर जमकर रंग खेलें।

तभी सूचना आई कि आखिरी पीरियड के बाद सभी बच्चों को स्कूल के सभाकक्ष में एकत्र होना है। सभी छात्रों और टीचर्स के सभाकक्ष में एकत्र होने के बाद प्रिंसिपल सर ने एक संक्षिप्त भाषण दिया। उन्होंने समझाया, 'देखो बच्चो, होली हंसी-खुशी और उमंग-उल्लास का त्योहार है, न कि शरारत, हुड़दंग और लड़ाई-झगड़े का। इसलिए होली के नाम पर तुम लोगों को कोई भी ऐसा काम नहीं करना है, जिससे किसी को भी कष्ट पहुंचे। इन दिनों मार्केट में तरह-तरह के केमिकल वाले रंग बिक रहे हैं, जिनको लगाने से आंखों, बालों और स्किन को नुकसान पहुंचता है। तुम्हें भूलकर भी ऐसे रंगों को यूज नहीं करना है। मैंने तुम लोगों के लिए प्राकृतिक गुलाल का प्रबंध कर रखा है। तुम सभी एक-दूसरे को गुलाल का टीका लगा कर गले मिलो, अपने टीचर्स से आशीर्वाद लो और इसके बाद शांतिपूर्वक अपने-अपने घर चले जाओ।'

चपरासी ने एक जगह मेज पर ढेर सारा हर्बल गुलाल लाकर रख दिया। प्रिंसिपल सर के कहने के अनुसार बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल का टीका लगाया। टीचर्स को भी गुलाल लगाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद सभी अपना-अपना बस्ता और पानी की बोतलें संभाले स्कूल से बाहर आ गए। गेट से बाहर निकलते ही बच्चे प्रिंसिपल सर की दी सारी हिदायतें भूल गए। बच्चों ने अपने बस्ते से रंग निकाला और हुड़दंग शुरू कर दिया। सभी ने पानी की बोतलों में रंग तैयार किया और दौड़ा-दौड़ाकर एक-दूसरे पर फेंकने लगे। तीन-चार लड़के मिलकर किसी एक को पकड़ लेते थे, उसे सिर से पांव तक बुरी तरह रंग कर भूत बना देते थे। फिर एक को रंगने के बाद वे दूसरे लड़के को पकड़ने दौड़ पड़ते। लड़कों की इस धमा-चौकड़ी के कारण सड़क पर जा रहे वाहन चालकों को बहुत कठिनाई हो रही थी। हुड़दंग में मस्त बच्चों को इसकी जरा भी परवाह नहीं थी। इस धमा-चौकड़ी में एक हादसा हो गया। रंग से बचने के लिए अमित भागा जा रहा था। उसको पकड़ने के लिए रोहित, अमोल और संजय उसके पीछे दौड़ रहे थे। अचानक तभी सामने से एक कार आ गई। अमित को बचाने के लिए कार चालक ने एकदम से ब्रेक लगा दी। चीं...चीं...चीं करती कार थोड़ी दूर घिसटकर रुक गई। लेकिन कार के रुकते-रुकते भी अमित को कार के बोनट से टक्कर लग गई। वह सड़क पर गिर गया। अमित को गिरता देख ड्राइवर घबरा गया। उसने कार की हैंडल दाईं तरफ मोड़ी और भागने लगा। इस हड़बड़ी में कार अनियंत्रित हो गई। उधर अमित के पीछे दौड़ते आ रहे रोहित को भी टक्कर लग गई। वह भी चीख कर सड़क किनारे गिर पड़ा। ड्राइवर कार लेकर वहां से भाग गया।

लड़कों ने अमित और रोहित को कार से टक्कर खाकर गिरते देखा, उनकी चीखें सुनीं तो हुड़दंग कर रहे सभी लड़कों के सर चढ़ी होली की मस्ती छू-मंतर हो गई। रंग की बोतलें फेंक कर सारे लड़के अमित और रोहित की तरफ दौड़े। वे दोनों ही जमीन पर पड़े कराह रहे थे। बच्चों ने मिल कर उनको उठाया और रिक्शे में लादकर पास के अस्पताल में ले गए। रोहित के दाहिने पैर में मोच आ गई थी और उसका शरीर जगह-जगह से छिल गया था। अमित का भी शरीर छिल गया था, उसके सिर में घाव हो गया था, जिससे खून बह रहा था। अमित और रोहित की यह दशा देख सभी बच्चों के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगीं।

स्कूल के बाहर सड़क पर हुई दुर्घटना की सूचना प्रिंसिपल सर को मिली तो वह सारे टीचर्स के साथ भागे-भागे अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के इमरजेंसी रूम में अमित और रोहित की प्राथमिक चिकित्सा चल रही थी। बाहर बरामदे में रंगे-पुते भूत बने आठ-दस लड़के अपराधी की सी सूरत बनाए खड़े थे।

प्रिंसिपल सर ने अस्पताल के अंदर जाकर अमित और रोहित को देखा और डॉक्टरों से बात की। डॉक्टरों ने बताया कि दोनों की ही स्थिति खतरे से बाहर है। उन्हें कोई गहरी चोट नहीं आई है। प्राथमिक चिकित्सा के बाद उन दोनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रिंसिपल सर ने एंबुलेंस से उन दोनों को उनके घर भिजवाया फिर बच्चों को डांटते हुए बोले, 'देख लिया तुम लोगों ने हुड़दंग करने का परिणाम...? दुर्भाग्य से अगर कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती तो...?'

सभी की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई।

'गलती हो गई सर! भविष्य में हम कभी ऐसी गलती नहीं करेंगे।' सर झुकाए खड़े कई बच्चे एक साथ बोले।

'चलो! देर आए, दुरुस्त आए। देखो, रंग खेलना कोई बुरी बात नहीं है। होली का त्योहार मौज-मस्ती करने के लिए तो होता है, हुड़दंग और शरारत करने के लिए नहीं। चलो, अब सभी लोग चुपचाप अपने-अपने घर जाओ।' प्रिंसिपल सर ने कहा तो सारे बच्चे अपने-अपने घर चल दिए। *

रोचक-ज्ञानवर्धक किताब / समीर गांगुली

सौरमंडल की रोमांचक यात्रा

बच्चो, जिस किताब को अब तक लाखों बच्चे पढ़ चुके हैं, उसे तुम भी जरूर पढ़ना चाहोगे। यह किताब तुम्हें सौरमंडल के सभी ग्रहों के बारे में जानकारी कुछ ऐसे सरल अंदाज में देगी, जैसे तुम सौरमंडल की सैर कर रहे हो। जाने-पहचाने ग्रहों मंगल, बुध, शुक्र से लेकर अब तक तुम्हारे, हमारे लिए कुछ अनजाने ग्रहों सामिया, सर्कस, सेठना के बारे में भी यह किताब जानकारी देती है। इस किताब का नाम है 'सौरमंडल की सैर', इसके लेखक हैं देवेंद्र मेवाड़ी।

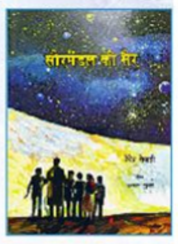

देवेंद्र मेवाड़ी हिंदी के जाने-माने बाल साहित्यकार हैं। वह इस किताब के माध्यम से बड़े ही मजेदार तरीके से सौरमंडल की सैर कराते हैं। वह कहानी के माध्यम से सौरमंडल विज्ञान के बारे में जानकारी देते हैं। इस किताब को तुम कहानी की किताब की तरह पढ़ सकते हो। पढ़ने के बाद आसमान की तरफ सिर उठाकर कहोगे, 'बहुत खूबसूरत हो तुम!'

हाल ही में इस किताब की 15वीं आवृत्ति आई है। बच्चो, सौर मंडल की सैर का रोमांचक आनंद लेने के लिए तुम इस किताब को जरूर पढ़ना चाहोगे। *

किताब: सौरमंडल की सैर,
लेखक: देवेंद्र मेवाड़ी, मूल्य: 70 रुपए,
प्रकाशक: नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

जीके क्विज- 194

1. हिंदी कैलेंडर (विक्रम संवत) का पहला महीना कौन-सा होता है?
2. टी-20 क्रिकेट में 700 विकेट लेने का रिकॉर्ड किस क्रिकेटर ने बनाया है?
3. विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
4. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
5. 'भारत के मिसाइल मैन' के नाम से किसे जाना जाता है?
6. भारत का पिट्सबर्ग किस शहर को कहा जाता है?
7. कांसा किन धातुओं से मिलकर बना मिश्रधातु है?
8. अकबर के नवरत्नों में से एक बीरबल का वास्तविक नाम क्या था?
9. नीली क्रांति का संबंध किससे है?
10. कौन-सी गैस सबसे हल्की होती है?

बच्चो, जीके क्विज-194 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-193 का उत्तर : 1.तारीक रहमान, 2.पश्चिम बंगाल, 3.नोवाक जोकोविच, 4.सरोजिनी नायडू, 5. 1853 ई., 6.फ्रांस, 7.दादाभाई नौरोजी, 8.H2SO4, 9.लैक्टोबेसिलस, 10.रैमन मैग्सेसे पुरस्कार

जीके क्विज-193 का सही उत्तर देने वाले: विकास-जबलपुर, कबीर-हिसार, राहुल-रेवाड़ी, नीटू-कोरिया, रमेश-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, सरोज-रायपुर, केशव-दुर्ग, तमन्ना-बिलासपुर, अनहद-बिलासपुर, किरण-बलौदा बाजार

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पूरी तैयारी के साथ होली खेलने जा रहे एक बच्चे के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में सभी पांच अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सभी पांच अंतर खोजो।

उत्तर: 1.लड़के के वाटर गन का कलर अलग है। 2.लड़के के गाल पर हरा रंग नहीं लगा हुआ है। 3.लड़के की बाईं आइब्रो ऊपर उठी हुई है। 4.बैकग्राउंड में दो के बजाय चार फ्लावर्स दिख रहे हैं। 5.आगे से रंग की बाल्टी और पिचकारी गायब है।

चित्र पूरा करो

बच्चो, यहां होली की उमंग में डूबे बच्चों का एक आधा-अधूरा चित्र दिया गया है। चित्र के बगल में इसके कट-आउट्स दिए गए हैं। इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर इस चित्र को पूरा करो।

उत्तर : 1-b, 2-a, 3-c

अब 15 दिनों का होगा खेल महोत्सव, गुलमर्ग बनेगा शीतकालीन खेलों का ग्लोबल हब : मांडविया

गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज गुलमर्ग में छठे 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स' के समापन समारोह को संबोधित किया।

इस अवसर पर उन्होंने जम्मू-कश्मीर को विश्व स्तरीय विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। डॉ. मांडविया ने घोषणा की कि भविष्य में गुलमर्ग में होने वाले शीतकालीन खेल केवल चार दिनों तक सीमित नहीं रहेंगे। इन्हें पर्यटन और संस्कृति के साथ जोड़कर 15 दिनों के एक एकीकृत खेल उत्सव के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें 'फिट इंडिया कार्निवल' और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे। समापन समारोह के दौरान डॉ. मांडविया ने विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की।

प्रमुख घोषणाएं और मुख्य बिंदु

नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

जम्मू-कश्मीर में शीतकालीन खेलों के बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जाएगा।

ग्लोबल हब के रूप में पहचान

खेल मंत्री ने विश्वास जताया कि गुलमर्ग जल्द ही शीतकालीन खेलों का वैश्विक केंद्र बनेगा। खेल मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्विट्जरलैंड सहित दुनिया के 55 देशों की यात्रा की है, लेकिन पीर पंजाल की चोटियों की सुंदरता अतुलनीय है।

भारतीय सेना बनी चैंपियन

- **प्रथम स्थान (विजेता):** भारतीय सेना ने अपना खिताब बरकरार रखते हुए कुल 23 पदक (9 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य) जीतकर चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा किया।
- **द्वितीय स्थान:** हिमाचल प्रदेश (14 पदक - 6 स्वर्ण, 7 रजत और 1 कांस्य) उपविजेता रहा।
- **तृतीय स्थान:** हरियाणा की टीम तीसरे स्थान पर रही।

पत्थरबाजी नहीं, अब खेलों से बन रही जम्मू-कश्मीर की पहचान

डॉ. मांडविया ने क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलाव पर जोर देते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में एक नया विश्वास जागा है। पहले यहाँ पत्थरबाजी की खबरें सुर्खियां बनती थीं, लेकिन अब खेलों की चर्चा होती है। प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' के सपने को पूरा करने में जम्मू-कश्मीर की बड़ी भूमिका होगी।

देशभर के 900 से अधिक एथलीटों ने लिया भाग

दो चरणों में आयोजन: 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स' 2026 का पहला चरण 20-26 जनवरी तक लद्दाख में आयोजित किया गया था, जबकि दूसरा चरण गुलमर्ग में संपन्न हुआ। इस स्पर्धा में 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 900 से अधिक एथलीटों ने छह अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मंत्री ने दोहराया कि 'खेलो भारत नीति' के तहत सरकार की नीतियां खिलाड़ी-केंद्रित हैं, न कि महासंघों के पक्ष में, ताकि युवाओं की आकांक्षाओं को उड़ान मिल सके।

खबर संक्षेप

महिला फुटबॉल टीम ने स्वीडिश क्लब खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला

नई दिल्ली। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने स्वीडन के लिडिंगो स्थित बोसन नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में स्वीडिश क्लब एनस्केडे आईके डैम के खिलाफ एक मैत्री मैच 1-1 से ड्रॉ खेला। इस मैच में सिबानी देवी नोंगमेइकापम ने 44वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। एनस्केडे ने 88वें मिनट में स्कोर बराबर किया। भारत की अंडर-20 टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने टैबी एफके के खिलाफ पिछले मैच में 4-0 से जीत दर्ज करने वाली टीम के शुरुआती एकादश में आठ बदलाव किए। इससे पहले भारतीय टीम को हैमरबी आईएफ से 0-6 से हार का सामना करना पड़ा था।भारतीय टीम शनिवार को कार्लबर्ग्स बीके के खिलाफ एक और मैत्री मैच खेलेगी।

श्रीकांत हारे, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। सीनियर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन यी से सीधे गेम में हारकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को इंडिया ओपन सुपर 750 चैंपियन लिन के खिलाफ 32 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी खत्म हो गया। दुनिया के नंबर 11 लिन ने श्रीकांत को 2024 स्विस ओपन में अपनी पिछली मुलाकात में भी हराया था।

सिंगापुर के पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारूक मैरिकन का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारूक मैरिकन अली का बृहस्पतिवार को निधन हो गया।

वह 80 बरस के थे। देश के खेल समुदाय ने अली के निधन पर दुख जताया जो हॉकी को 'जीते थे' और अपने खिलाड़ियों का बहुत ख्याल रखते थे। फारूक के परिवार में 68 साल की पत्नी जैसिंटा एरियोला और 42 साल की बेटी शाईन मैरिकन हैं। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारूक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई।

सिमोन बाइल्स लॉरियस की एंबेसडर बनीं

नई दिल्ली। सात बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को लॉरियस का एंबेसडर नियुक्त किया है। इस तरह से वह लॉरियस का एंबेसडर बनने वाले कई स्टार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गई हैं। इन खिलाड़ियों में भारतीय भाला फेंक के दिग्गज नीरज चोपड़ा और विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी शामिल हैं।

टी-20 विश्व कप: अभिषेक-पंड्या की फिफ्टी, एक मार्च को वेस्टइंडीज से टक्कर

भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार

भारत एक जीत दूर, अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचा

भाषा चेन्नई

हार्दिक पंड्या और अभिषेक शर्मा के अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे को 72 रन से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप एक से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को होने वाले मैच से ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा। भारत के 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (नाबाद 97 रन, 59 गेंद, छह छक्के, आठ चौके) के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा (31) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 72 रन की साझेदारी के बावजूद कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। अक्षर पटेल (35 रन पर एक विकेट), वरुण चक्रवर्ती (35 रन पर एक विकेट) और शिवम दुबे (46 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी (नाबाद 50, 23 गेंद, चार छक्के, दो चौके) के धमाकेदार अर्धशतक से भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा और मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। पंड्या ने तिलक वर्मा (नाबाद 44, 16 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 31 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले अभिषेक ने संजू सैमसन (24) के साथ पहले विकेट के लिए 48 और इशान किशन (38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करने भारत को ठोस मंच दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने भी उपयोगी पारी खेली।

अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट झटके

•

हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे

तिलक ने नाबाद 44 रन बनाए

सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए वेस्टइंडीज को हराना होगा

भारत-256/4 (20)

खिलाड़ी	रन
संजू का बर्ल बो मुजरबानी	24
अभिषेक का रजा बो मपोसा	55
इशान का नगारवा को रजा	38
यादव का मुसेकिवा बो नगारवा	33
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
तिलक वर्मा नाबाद	44

अतिरिक्त: 12
कुल:20 ओवर में चार विकेट पर: 256 रन
विकेट पतन: 1-48, 2-120, 3-150, 4-172
गेंदबाजी: नगारवा 4-0-62-1, मुजरबानी 4-0-43-1, मपोसा 2-0-40-1, इवांस 4-0-52-0, रजा 3-0-29-1, बेनेट 2-0-16-0, बर्ल 1-0-10-0

जिम्बाब्वे-184/6 (20)

खिलाड़ी	रन
ब्रायन बेनेट नाबाद	97
ताडिवनाशे का इशान बो अक्षर	20
डियोन का तिलक बो चक्रवर्ती	06
रजा का अभिषेक बो अर्शदीप	31
रेयान बर्ल बो अर्शदीप	00
टोनी मुनयोंगा बो अर्शदीप	11
ताशिंगा का सैमसन बो दुबे	07
ब्रेड इवांस नाबाद	01

अतिरिक्त: 11
कुल:20 ओवर में छह विकेट पर: 184 रन
विकेट पतन: 1-44, 2-72, 3-144, 4-144, 5-162, 6-173
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-24-3, पंड्या 3-0-21-0, बुमराह 3-0-21-0, चक्रवर्ती 4-0-35-1, अक्षर 4-0-35-1, दुबे 2-0-46-1

176 रन का लक्ष्य 17वें ओवर में ही किया हासिल

अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराते हुए सेमीफाइनल की ओर बढ़ाया कदम

एजेंसी अहमदाबाद

टी-20 विश्व कप 2026 के 47वें मैच में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को 9 विकेट से हराया। सुपर-8 के इस मुकाबले में कैरेबियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रोमारियो शेफर्ड के अर्धशतक (51*) की मदद से 176/8 का स्कोर बनाया। जवाब में प्रोटियाज टीम ने कप्तान एडेन मार्करम (82*) और क्विंटन डिकॉक (47) की पारियों की मदद से 17वें ओवर में लक्ष्य हासिल किया। सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मार्करम की कप्तानी वाली टीम अब ग्रुप-1 में शीर्ष पर पहुंच गई है। अब दक्षिण अफ्रीका को अपने सुपर-8 के आखिरी मैच में जिम्बाब्वे से 1 मार्च को भिड़ना है। दूसरी तरफ वेस्टइंडीज की यह टी-20 विश्व कप 2026 में पहली हार हुई। वेस्टइंडीज की टीम तालिका में फिलहाल दूसरे स्थान पर है।

इस तरह से जीती दक्षिण अफ्रीकी टीम

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 34 रन तक अपने 4 विकेट गंवा दिए। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच जेसन होल्डर (49) और रोमारियो शेफर्ड (52*) ने उम्दा पारियां खेली और टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका से डिकॉक (47) और मार्करम ने 95 रन की साझेदारी की। अच्छी शुरुआत के बाद रयान रिकेल्टन (45*) और मार्करम ने टीम को आसान जीत दिलाई।

शेफर्ड और होल्डर की रिकॉर्ड साझेदारी

होल्डर और शेफर्ड ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में किसी फुल-मेंबर जोड़ी द्वारा 8वें विकेट या उससे निचले क्रम की सबसे बड़ी साझेदारी की। दिलचस्प रूप से शेफर्ड पिछली सबसे बड़ी साझेदारी में भी शामिल थे, जब उन्होंने पिछले साल शमर स्प्रिंगर के साथ 78 रन (बनाम न्यूजीलैंड, 2025) जोड़े थे। बता दें कि शेफर्ड टी-20 अंतरराष्ट्रीय में वेस्टइंडीज की 8वें विकेट या उससे निचले क्रम की 6 अर्धशतकीय साझेदारियों में शामिल रहे हैं।

पहली बार श्रीलंका के साथ क्रिकेट मैचों की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान

एजेंसी दुबई

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज की घोषणा की है।

इस सीरीज में 13 मार्च से 3 मैचों की टी-20 सीरीज और 20 मार्च से 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। ये दोनों सीरीज यूएई में खेली जाएगी। बता दें कि 2024 के बाद ये दोनों टीमें द्विपक्षीय सीरीज में आपस में भिड़ने के लिए तैयार हैं।

श्रीलंका की मेजबानी को लेकर उत्सुक है एसीबी

एसीबी के सीईओ नसीब खान ने पहली बार श्रीलंका की मेजबानी को लेकर खुशी जताई। उन्होंने कहा, हम अपने इतिहास में पहली बार श्रीलंका की मेजबानी के लिए उत्सुक हैं। यह श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के साथ हमारे सहयोग को दिखाता है, और हम भविष्य में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट अनुभव देने के लिए जिम्मेदार हैं। श्रीलंका हाल ही में बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहा है, और हम 2 अच्छी टीमों के बीच एक प्रतिस्पर्धी सीरीज का इंतजार कर रहे हैं।

शारजाह और दुबई में खेले जाएंगे मैच

13 मार्च से शारजाह में पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। इसके बाद 15 और 17 मार्च को टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। ये तीनों मुकाबले शारजाह में होंगे। इसके बाद 20 मार्च को होने वाले पहले मैच के साथ वनडे सीरीज की शुरुआत हो जाएगी। इसके बाद 22 मार्च और 25 मार्च को क्रमश: दूसरा और तीसरा वनडे खेला जाएगा। वनडे सीरीज के मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान टीम अब भी बना सकती है सेमीफाइनल में जगह, बशर्ते....

एजेंसी कोलंबो

टी-20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अभियान को बड़ा झटका लगा है। सुपर-8 चरण में मंगलवार को इंग्लैंड क्रिकेट टीम से मिली हार के बाद उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कमजोर हो गई हैं। अब उसे खुद के प्रदर्शन से ज्यादा दूसरी टीमों के मैचों के परिणामों पर अधिक निर्भर रहना होगा। दो मैचों में सिर्फ 1 अंक होने के बावजूद पाकिस्तान टीम कुछ परिस्थितियों में सेमीफाइनल तक पहुंच सकती है।

ऐसे हों परिणाम तो जिंदा रहेगी पाकिस्तान की उम्मीदें: पाक का सेमीफाइनल तक पहुंचने का रास्ता काफी मुश्किल है। उसे 28 फरवरी को श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। इससे उसके 3 अंक हो जाएंगे। इसके बाद उसे न्यूजीलैंड की श्रीलंका और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच में हार की दुआ करनी होगी। ऐसी स्थिति में वह श्रीलंका को हराकर सीधे सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। न्यूजीलैंड का सुपर-8 का पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ बारिश से रद्द हो गया था। अगर न्यूजीलैंड टीम एक मैच जीतती है और दूसरा हारती है, तो उसके 3 अंक होंगे।

जोश से भरपूर न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में पहुंचने इंग्लैंड को आज चटाना होगी धूल

एजेंसी कोलंबो

टी-20 विश्व कप 2026 के 49वें मैच में इंग्लैंड क्रिकेट टीम का सामना न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से आज शुक्रवार 27 फरवरी को होगा। यह सुपर-8 चरण में ग्रुप-2 का मुकाबला होगा।

इंग्लैंड टीम 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुकी है। अब श्रीलंका के खिलाफ जीत के बाद जोश से लबरेज न्यूजीलैंड की टीम भी इस मुकाबले को जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगी। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच यह मैच कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में रात 7 बजे से खेला जाएगा।

टी-20 विश्व कप 2026: मैच कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में सायं 7 बजे से

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारी रहा है इंग्लैंड का पलड़ा

टी-20 प्रारूप में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड का पलड़ा भारी रहा है। दोनों टीमों के बीच कुल 30 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 17 में इंग्लिश टीम ने जीत दर्ज की है, जबकि कीवी टीम केवल 10 मुकाबले जीतने में सफल रही है। 3 मुकाबले अनिर्णित रहे हैं।

20 साल पहले दिए इस फैसले को सबसे विवादित निर्णयों में गिना जाता है

तेंदुलकर को दिया था गलत आउट, स्टीव ने मानी गलती

एजेंसी नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के पूर्व अंपायर स्टीव बकनर ने लगभग 20 साल बाद स्वीकार किया है कि उनसे सचिन तेंदुलकर को लेकर गलती हो गई थी। विवादित फैसला 2003-04 की टेस्ट सीरीज में ब्रिस्बेन में खेले गए मैच के दौरान आया था।

उस मुकाबले में बकनर द्वारा तेंदुलकर को एलबीडब्ल्यू आउट दिया गया था। तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी की जोरदार अपील पर दिए गए इस फैसले को लंबे समय तक क्रिकेट इतिहास के सबसे विवादित निर्णयों में गिना जाता है। एक इंटरव्यू उन्होंने इस फैसले को अपनी गलती स्वीकार किया।

भारत को झेलनी पड़ी थी हार

जनवरी 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बकनर को पर्थ में होने वाले भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरे टेस्ट में अंपायरिंग से हटा दिया था। यह फैसला सिडनी टेस्ट में उनके बेहद खराब निर्णयों के बाद लिया गया, जिसमें भारत को हार झेलनी पड़ी थी।

तेंदुलकर फैसले से हो गए थे हैरान

मैदान पर फैसला सुनाते ही तेंदुलकर साफ तौर पर हैरान नजर आए थे और इस निर्णय पर उन्हें यकीन नहीं हो पा रहा था। कमेंटेटर टोनी ग्रेग ने भी लाइव कमेंट्री के दौरान इसे बेहद खराब फैसला करार दिया था। बाद में सामने आए रिप्ले में स्पष्ट हुआ कि गेंद स्टंप्स के काफी ऊपर से निकल जाती है। यह तेंदुलकर के खिलाफ बकनर का कोई अकेला विवादित फैसला नहीं था, अपने करियर के दौरान उन्होंने ऐसे कई निर्णय दिए थे जो विवादित रहे।

तेंदुलकर के विवादित फैसले के लिए बकनर को किया जाता है याद

लगभग 79 साल के हो चुके बकनर का अंपायरिंग करियर शानदार होने के साथ-साथ विवादों से भी जुड़ा रहा है। उन्होंने 100 से अधिक टेस्ट और वनडे मैचों में अंपायरिंग की, लेकिन तेंदुलकर के खिलाफ दिए गए विवादित फैसलों के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। ब्रिस्बेन टेस्ट में दिया गया फैसला ऐसा ही एक मामला था, जहां गेंद साफ तौर पर स्टंप्स से बाहर जा रही थी।

बकनर ने क्या कहा?

बकनर ने अपने फैसले के असर पर बात करते हुए कहा, मैंने उन्हें आउट क्यों दिया? क्या वह सच में आउट थे? ऐसे सवाल मन में आते हैं, लेकिन जिंदगी में गलतियां होती हैं। मैंने इसे अपनी गलती स्वीकार कर लिया है और जिंदगी आगे बढ़ती है। इस फैसले के बाद व्यापक बहस छिड़ गई थी। कई प्रशंसकों और विशेषज्ञों का मानना था कि सचिन को गलत तरीके से आउट दिया गया, जिससे उनकी पारी पहले समाप्त हो गई।

वेस्टइंडीज की हार से भारत की राह आसान

टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार का दिन भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा। साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया, वहीं टीम इंडिया ने आखिरी मुकाबले में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया।

इन नतीजों से वेस्टइंडीज और भारत के बीच होने वाला मुकाबला नॉकआउट की तरह हो गया। 1 मार्च को कोलकाता में यह मैच होगा, जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी, वहीं हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। आज न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच ग्रुप-2 का मुकाबला होगा। न्यूजीलैंड जीता तो टीम इंग्लैंड के साथ सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी।

साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 स्टेज में लगातार 2 मैच जीत लिए। टीम 4 पॉइंट्स के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गई। जिम्बाब्वे दूसरी हार के बाद नॉकआउट की रेस से बाहर हो गई। अब जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका के बीच 1 मार्च को मुकाबला होगा।

खबर संक्षेप

दुबई से भारत लाया गया भगोड़ा अनिल रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इंटरपोल की मदद से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में छिपे वांछित भगोड़े अनिल कुमार रेड्डी को भारत लाने में सफलता मिली है। यह अपराधी आंध्र प्रदेश में कई गंभीर मामलों में आरोपी है। अनिल कुमार रेड्डी पर धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी जैसे कई गंभीर आरोप हैं। आंध्र प्रदेश पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। वह कानून से बचने के लिए यूएई में जाकर छिप गया था। सीबीआई ने 5 सितंबर 2022 को अनिल रेड्डी के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस जारी करवाया था।

गूगल के डेटा सेंटर में सबसे बड़ी बैटरी

नई दिल्ली। गूगल के नए डेटा सेंटर को सपोर्ट करने के लिए एक विशाल बैटरी सिस्टम लगाया जाएगा, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी बैटरी बताया जा रहा है। यह 300 मेगावाट और 30 गीगावाट-घंटे क्षमता वाला स्टोरेज सिस्टम होगा, जिसे फॉर्म एनर्जी नाम की कंपनी विकसित कर रही है। इसे अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के पाइन आइलैंड इलाके में तैनात किया जाएगा। इस परियोजना को स्थानीय यूटिलिटी कंपनी एक्सेल एनर्जी लागू करेगी। 1.4 गीगावाट विंड पावर और 200 मेगावाट सोलर ऊर्जा भी ग्रिड में जोड़ी जाएगी।

जिनपिंग ने नौ सांसदों को वरिष्ठ पदों से हटाया

बीजिंग। चीन में मार्च की शुरुआत से वार्षिक 'टू सेशंस' बैठक शुरू होने जा रही है। इससे पहले राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन की संसद ने सेना से जुड़े नौ वरिष्ठ सांसदों को पद से हटा दिया है। चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस यानी एनपीसी की स्थायी समिति ने गुरुवार को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और पीपुल्स आर्म्ड पुलिस से जुड़े नौ प्रतिनिधियों को सांसदों यानी डेप्युटी की सूची से हटा दिया। हटाए गए लोगों में पांच फुल जनरल, एक लेफ्टिनेंट जनरल और तीन मेजर जनरल शामिल हैं। संसद में सेना और सशस्त्र पुलिस प्रतिनिधिमंडल की संख्या अब घटकर 243 रह गई है। चीन की संसद में कुल करीब 2900 सदस्य होते हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में अपने वर्चुअल संदेश में बोले जयशंकर

मानवाधिकार पर राजनीति नहीं, समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मानवाधिकारों को लेकर 'राजनीतिक बयानबाजी' से ऊपर उठकर विकास, क्षमता निर्माण और आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों का उद्देश्य सबसे कमजोर वर्ग के लोगों के दैनिक जीवन में ठोस सुधार लाना होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में अपने वर्चुअल संदेश में उन्होंने बुधवार को कहा कि संघर्ष, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता से ग्रस्त दुनिया में भारत साझा आधार खोजने और उसका विस्तार करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमने लगातार टकराव की जगह संवाद, विभाजन की जगह सहमति और संकीर्ण हितों की जगह मानव-केंद्रित विकास पर जोर दिया है। भारत हाल ही में सातवीं बार मानवाधिकार परिषद का सदस्य चुना गया है और उसे संयुक्त महासभा में 188 में से 177 मत मिले।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धः विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत सभी लोगों के लिए समानता और सम्मान के आधार पर मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे करोड़ों लोगों को पारदर्शी तरीके से कल्याण योजनाओं, वित्तीय सेवाओं और सरकारी सुविधाओं तक पहुंच मिली है और भारत अपने अनुभव को वैश्विक हित में साझा कर रहा है।

- कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन में ठोस सुधार लाना जरूरी
- आतंकवाद मानवाधिकारों के जघन्य उल्लंघनों में से एक

जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार टकराव की जगह संवाद, विभाजन की जगह सहमति और संकीर्ण हितों की जगह मानव-केंद्रित विकास पर जोर दिया है

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर

आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए

एस. जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद को मानवाधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरी तरह से साकार करने के लिए उन्हें आतंकवादी कृत्यों के लिए शून्य सहिष्णुता की वकालत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवाधिकारों के सबसे जघन्य उल्लंघनों में से एक है, और इसका कोई औचित्य नहीं हो सकता, खासकर जब निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जाता है।

दोहरे मानदंड अपनाने से बचें

जयशंकर ने कहा कि यह वैश्विक समुदाय, खासकर वैश्विक दक्षिण के देशों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए राजनीति, दोहरे मानदंड और चयनात्मक रवैये के बजाय संवाद, साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विश्वास करता है।

आर्थिक दबावों से असमानता बढ़ी

जयशंकर ने कहा कि महामारी, जलवायु परिवर्तन, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक दबावों ने असमानताओं को और बढ़ाया है, जिससे विकास को मानवाधिकारों के मूल आधार के रूप में देखना जरूरी हो गया है।

यूएन में भारत की दो टूक, जम्मू कश्मीर का बजट पाक के आईएमएफ पैकेज से अधिक

जिनेवा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि पड़ोसी देश 'खयाली दुनिया' में जी रहा है और उसे यह अविश्वसनीय लगता है कि जम्मू कश्मीर का विकास बजट, उस राहत पैकेज की राशि के दोगुने से भी अधिक है जो इस्लामाबाद ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मांगा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें नियमित सत्र के उच्च स्तरीय खंड में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने के बाद जवाब देने के अधिकार का बुधवार को इस्तेमाल किया। उन्होंने इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) का उल्लेख करते हुए कहा कि उच्च स्तरीय खंड के दौरान पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा भारत के संदर्भ में की गई टिप्पणियों के बाद भारत अपना जवाब देने का अधिकार इस्तेमाल करने के लिए बाध्य है। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। सिंह ने कहा कि ऐसे देश से लोकतंत्र पर उपदेश सुनना अटपटा है जहां असैन्य सरकारें शायद ही कभी अपना कार्यकाल पूरा करती हैं। उनकी बातें खोखली लगती हैं। आम चुनावों और विधानसभा चुनावों के दौरान जम्मू कश्मीर में रिकॉर्ड मतदान इस बात का प्रमाण है कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने पाकिस्तान द्वारा प्रचारित आतंकवाद और हिंसा की विचारधारा को खारिज कर दिया है और वे विकास एवं लोकतंत्र के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

कनाडा के बदले सुर

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या मामले में भारत के दखल को नकारा

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी और पीएम मोदी

एजेंसी ⏭ ओटावा

पीएम नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह कार्नी की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। कनाडा, भारत के साथ रिश्ते सुधारने की कवायद में जुटा है। जो जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल के अंतिम दिनों में बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे। यही वजह है कि कनाडा ने ये मान लिया है कि कनाडा की धरती पर होने वाले अपराधों में भारत की कोई संलिप्तता नहीं है। कनाडा सरकार के अधिकारियों ने बताया कि अगर भारत, कनाडा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल दे रहा होता तो शायद पीएम कार्नी, भारत दौरे पर जाते ही नहीं। हमारी भारत सरकार के साथ इन मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई है। साथ ही विदेशी हस्तक्षेप से बचने के लिए हमारे पास मजबूत सुरक्षा उपाय हैं। अधिकारियों ने बताया कि इसे लेकर पीएम मोदी, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों के साथ व्यवस्थित रूप से बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को नियमित रूप से उठाया गया और उन्हें विश्वास है कि आगे भी इस पर सार्थक चर्चा जारी रहेगी।

आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर बिगड़े थे रिश्ते

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हुई थी। कनाडा की तत्कालीन ट्रूडो सरकार ने भारत पर निज्जर की हत्या कराने का आरोप लगाया और इसे संप्रभुता का उल्लंघन करार दिया था। हालांकि भारत सरकार ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और निज्जर की हत्या में संलिप्तता से इनकार किया। इस मामले को लेकर दोनों देशों के रिश्ते इतने बिगड़े की दोनों ने अपने कुछ राजनयिकों को वापस बुला लिया। हालांकि ट्रूडो सरकार के सत्ता से बाहर होने और मार्क कार्नी के सत्ता संभालने के बाद से भारत कनाडा के रिश्तों में फिर से बेहतरी हो रही है। मार्क कार्नी भारत दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरे का मकसद दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों को फिर से मजबूत करना है। इसे कनाडा द्वारा व्यवहारिक विदेश नीति अपनाने के तौर पर भी देखा जा रहा है।

भारत आज दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और बड़ा बाजार है। ऐसे समय में जब अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में तनाव है तो कनाडा चीन और भारत जैसे देशों के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में जुटा है और भारत को लेकर उसके रुख में बदलाव को भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

ईरान ने अमेरिका को दिखाया दम

लॉन्च कर दी 'बैलिस्टिक मिसाइल' 2000 किमी दूर तक साधेगी निशाना

एजेंसी ⏭ तेहरान

बैलिस्टिक मिसाइल खैबर

अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक नई बैलिस्टिक मिसाइल लांच की है। यह सतह से सतह पर मार करने वाली चौथी पीढ़ी की मिसाइल है। इस नई मिसाइल का नाम खैबर है और इसकी रेंज 2000 किमी है। ईरान ने इसे एक बेहद सीक्रेट जगह पर लांच किया है। अमेरिका से बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक नई बैलिस्टिक मिसाइल लांच की है। यह सतह से सतह पर मार करने वाली चौथी पीढ़ी की मिसाइल है। इस नई मिसाइल का नाम खैबर है और इसकी रेंज 2000 किमी है। ईरान ने इसे एक बेहद सीक्रेट जगह पर लांच किया है। इस बीच स्विट्जरलैंड के जेनेवा में ओमान की मध्यस्थता के तहत ईरान और अमेरिका के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को शुरू हो गया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि उनका देश परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा।

कस्टम्स के डिजिटल सुधारों पर फोकस

जुलाई में डब्ल्यूटीओ करेगा भारत की व्यापार नीतियों की समीक्षा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

डब्ल्यूटीओ में सीबीआईसी की बैठक

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की 8वीं व्यापार नीति की समीक्षा जुलाई में होगी। इसमें देश की व्यापार नीतियों की व्यापक सहकर्मी समीक्षा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि इस समीक्षा से पहले भारत ने अपने डिजिटल सीमा शुल्क सुधारों और व्यापार सुविधा समझौते (टीएफए) के क्रियान्वयन को वैश्विक मंच पर प्रमुखता से प्रस्तुत किया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य (कस्टम्स) सुरजीत भुजबल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में आयोजित विशेष ट्रेड फैसिलिटेशन सत्र में भारत के 'फेसलेस, कॉन्टैक्टलेस और पेपरलेस' कस्टम्स इकोसिस्टम और व्यापक डिजिटलीकरण पर प्रकाश डाला। यह सत्र 24 फरवरी को आयोजित किया गया था। इसमें लगभग 40 देशों के प्रतिनिधियों और डब्ल्यूटीओ सचिवालय की सक्रिय भागीदारी रही।

'वायुशक्ति 26' के दौरान आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। 27 फरवरी से पोखरण के रेगिस्तानी क्षेत्र में 'वायुशक्ति 26' अभ्यास शुरू हो गया है। इस दौरान भारतीय वायुसेना ने सभी संचालन मानकों को सफलतापूर्वक परखा। अभ्यास के दौरान सभी निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से नष्ट किया गया। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि वायु सेना पूरी तरह से हर मिशन के लिए तैयार है। 'वायुशक्ति 26' को लेकर भारतीय वायुसेना ने पहली बार एक आधिकारिक वीडियो में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की फायरिंग का दृश्य साझा किया है। इसमें वीडियो में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली से लक्ष्य भेदते हुए देखा जा सकता है। यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमान और मिसाइल जैसे बड़े हवाई खतरों को लंबी दूरी से ही नष्ट करने में सक्षम है। एस-400 प्रणाली अत्याधुनिक रडार और मिसाइल तकनीक से लैस है।

आर्थिक साझेदारी पर यूएस के साथ 'सार्थक चर्चा'

पीयूष गोयल ने अमेरिकी वाणिज्य सचिव और राजदूत सर्जियो गोर से की खास भेंट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के साथ व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए 'बहुत ही सार्थक चर्चा' की। गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट में बताया कि उन्होंने अमेरिकी वाणिज्य सचिव और भारत में अमेरिकी राजदूत की मेजबानी की और द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बातचीत की। उन्होंने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस भारत और अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने और संबंधों को और गहरा करने पर रहा।

हावर्ड लटनिक (बाएं), पीयूष गोयल, सर्जियो गोर

बैठक 'प्रोडक्टिव' रहीः गोर

गोयल ने एक्स पर लिखा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की मेजबानी की। व्यापार और आर्थिक साझेदारी को बढ़ाने के लिए बहुत ही सार्थक चर्चाएं हुईं। सर्जियो गोर ने भी इस बैठक को 'प्रोडक्टिव' बताया और कहा कि हावर्ड लटनिक और पीयूष गोयल के साथ बहुत ही उपयोगी लंच मीटिंग रही। हमारे दोनों देशों के लिए सहयोग के कई क्षेत्र मौजूद हैं।

38 देशों के साथ एफटीए कर चुका भारत

गोयल ने कहा था कि भारत 38 देशों के साथ नौ एफटीए कर चुका है, जिससे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के लगभग दो-तिहाई हिस्से तक विशेष पहुंच मिली है। इनसे भारतीय वस्तुओं, सेवाओं, कृषि और मत्स्य उत्पादों तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नए बाजार मिल रहे हैं।

दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढ-ढूंढकर करेगा तबाह!

आज समुद्र में उतरेगा भारत का नया योद्धा 'आईएनएस अंजदीप'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना तटीय सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में 27 फरवरी यानी शुक्रवार को चेन्नई बंदरगाह पर डॉल्फिन हंटर पोत आईएनएस अंजदीप को तैनात करने जा रही है। यह पोत 'एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' परियोजना के तहत बनाए जा रहे 8 पोतों में से तीसरा है। समुद्र में भारत की ताकत और बढ़ जाएगी। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स की ओर से निर्मित अंजदीप एक अत्याधुनिक युद्धपोत है, जिसे विशेष रूप से तटीय और उथले जल क्षेत्रों में परिचालन की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका नाम कर्नाटक के कारवार तट (अरब सागर) के निकट स्थित अंजदीप द्वीप के नाम पर रखा गया है।

- चेन्नई बंदरगाह पर डॉल्फिन हंटर पोत अंजदीप को तैनात करेगी
- 'एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट' के तहत तीसरा पोत

डॉल्फिन हंटर पोत आईएनएस अंजदीप

'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करेगा

यह पोत 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य 30 से 40 मीटर की गहराई वाले तटीय क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है। यह युद्धपोत तट से 100 से 150 नॉटिकल मील तक दुश्मन की सबमरीन का पता लगाने में सक्षम है। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी शुक्रवार को यहां आईएनएस अंजदीप के कमीशनिंग समारोह में भाग लेंगे।

आधुनिक हथियारों से लैस

'अंजदीप' एंटी-सबमरीन रॉकेट लॉन्चर, लाइटवेट टॉरपीडो, 30 मिमी नेवल गन, एएसडब्ल्यू कॉम्बैट सूट, हल-माउंटेड सोनार और लो-फ्रीक्वेंसी वैरिएबल डेप्थ सोनार से सुसज्जित है। यह लगभग 25 नॉटिकल मील प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकता है और एक बार में करीब 3,300 किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है।

रक्षा क्षमता मजबूत होगी

इस युद्धपोत के शामिल होने से नौसेना की भारत के व्यापक समुद्री हितों की सुरक्षा के साथ-साथ तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों की निगरानी तथा रक्षा क्षमता और मजबूत होगी। पनडुब्बी रोधी युद्ध (एंटी-सबमरीन वॉरफेयर) भूमिका के अलावा यह पोत तटीय निगरानी, कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों तथा खोज एवं बचाव अभियानों को अंजाम देने में भी सक्षम है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com